VIPRA ARTS COMMERCE & PHYSICAL EDUCATION COLLEGE

विप्र कला-वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

जी. ई. रोड, रायपुर (छ.ग.)

''विप्रारोह''

(वार्षिक पत्रिका 2025)

विप्र पब्लिक स्कूल, रायपुर (छ ग)

23/05/2025 20:52

छत्तीसगढ़ युवा विकास
वाणिज्य एवं शारीरिक
रायपुर द्वारा आयोजित

विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन

संचालित

विप्र कला-वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

जी. ई. रोड, रायपुर (छ.ग.)

''विप्रारोह''

(वार्षिक पत्रिका 2025)

संपादक मण्डल

डॉ. कंचन मिश्रा

डॉ. विवेक कुमार शर्मा

श्रीमती रिंकी देवी

श्रीमती प्रणिता शर्मा

विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री
Vishnu Deo Sai
Chief Minister

मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर
अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़
फोन +91 (771) 2221000, 2221001

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Nava Raipur Atal Nagar, Raipur
492002, Chhattisgarh
Ph.: +91 (771) 2221000, 2221001
Do. No. 1020 Date 29.09.2024

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025 के लिए महाविद्यालयीन पत्रिका विप्रारोह का प्रकाशन किया जा रहा है।

शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति और रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। मुझे आशा है कि महाविद्यालयीन पत्रिका के माध्यम से सभी लोगों को महाविद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों और भावी योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी।

महाविद्यालय की निरंतर प्रगति और पत्रिका प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

विष्णु देव साय

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़) 492010 भारत

Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (Chhattisgarh) -492010-INDIA
Office : +91 771-2262857, +91 771-2263439
E-mail :ve_raipur@prsu.ac.in
Website: www.prsu.ac.in

रायपुर, दिनांक 22 जुलाई, 2025

शुभकामना संदेश

हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर द्वारा महाविद्यालयीन पत्रिका 'विप्रारोह' सत्र 2024–25 का प्रकाशन किया जा रहा है।

उच्च शिक्षण संस्थान छात्र–छात्राओं को उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास के सक्षम केन्द्र होते हैं। तकनीकी प्रयोग के साथ युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा के विकास, सृजन क्षमता के प्रदर्शन एवं उनकी अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिए महाविद्यालय सतत् क्रियाशील रहे और उत्कृष्ट मानव संसाधन के विकास की भूमिका में महाविद्यालयीन पत्रिका अपनी सार्थकता को सिद्ध कर सके, ऐसी मेरी कामना है।

महाविद्यालयीन पत्रिका 'विप्रारोह' महाविद्यालय के शैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक गतिविधियों के दर्पण के रूप में शिक्षकों एवं छात्रों को प्रेरित करने के अपने उद्देश्य में सफल सिद्ध होगी।

अनन्त शुभकामनाओं सहित।

07/10/24

(प्रो. सच्चिदानन्द शुक्ल)
कुलपति
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर

प्रति,
प्राचार्य
विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय
डूमरतालाब, रायपुर
जिला–रायपुर (छत्तीसगढ़)

फोन 0771-2533389
0771-2262410
0771-2262411

''रजत जयंती वर्ष''

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित

(उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से स्थायी सम्बद्ध)

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

जी. ई. रोड रायपुर (छ.ग.)

E:mail - vipracollege1996@gmail.com, Visition-www.vipracollege.ac.in

क्रमांक ...../ वि.म. /..... दिनांक 04/03/2025

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है, कि विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा विप्र महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका विप्रारोह सत्र 2025 का प्रकाशन किया जा रहा है।

विप्र महाविद्यालय अपने स्थापना वर्ष 1996 से निरंतर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध रहा है। शारीरिक शिक्षा में पाठ्यक्रम प्रारंभ करने वाला प्रथम निजी महाविद्यालय के रूप में ख्याति राष्ट्रीय स्तर का है। खेलकूद के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यहां के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। योग के महत्व को समझते हुए डिप्लोमा कोर्स संचालित करने वाला भी प्रथम निजी महाविद्यालय है। इस प्रकार कला, वाणिज्य, विज्ञान, शिक्षा के परंपरागत पाठ्य क्रम के साथ विद्यार्थियों के आवश्यकतानुसार अन्य कोर्स संचालित करने में विप्र महाविद्यालय अग्रणी रहा है।

कोरोना के कारण विगत 2 वर्षों से गतिविधियाँ प्रभावित थी ।

वार्षिक पत्रिका वार्षिक गतिविधियों के संक्षिप्त विवरण के साथ विद्यार्थियों के विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है । विद्यार्थियों के मौलिक विचारों को समझ कर महाविद्यालय के गतिविधियों में आवश्यक सुधार के लिए सहायक भी होता है।

विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएं देते हुए बधाई प्रेषित करता हूँ।

ज्ञानेश शर्मा

फोन 0771-2533389
0771-2262410
0771-2262411

''रजत जयंती वर्ष''

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित

(उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से स्थायी सम्बद्ध)

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

जी. ई. रोड रायपुर (छ.ग.)

E:mail - vipracollege1996@gmail.com, Visition-www.vipracollege.ac.in

क्रमांक ...../ वि.म. /.....

दिनांक 04/03/2025

शुभकामना संदेश

प्रिय विद्यर्थियों,

वार्षिक पत्रिका विप्रारोह का लंबे अंतराल उपरांत प्रकाशन विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के सतत् प्रयास व कठिन परिश्रम से ही संभव हो पाया है। कोरोना महामारी के कारण लगभग 2 वर्षों तक शैक्षणिक गतिविधियां बाधित रही। परंतु विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार ऑनलाइन अध्यापन के साथ वेबीनार एवं ऑनलाइन गतिविधियों के माध्यम से प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के बीच संवाद बना रहा। परिणामत: महामारी के प्रभाव के बाद भी महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि होती रही। न्यूनतम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मूल उद्देश्य के साथ विप्र महाविद्यालय अपने स्थापना वर्ष 1996 से शिक्षण कार्य को निरंतर विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

वार्षिक पत्रिका विद्यार्थियों के अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम और महाविद्यालय के वर्ष भर के कार्यक्रम ों का लेखा जोखा है। विद्यार्थियों के विचारों से परिचित होने के बाद शिक्षण कार्य को सही दिशा के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

इसी प्रकार रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आदर्श योग्य नागरिकों का निर्माण हम सभी समर्पण के साथ कार्य करते रहें, एवं विद्यार्थी अपने लगन एवं परिश्रम से सफलता प्राप्त कर अपने परिवार राष्ट्र एवं महाविद्यालय का नाम रोशन करें। इसी शुभकामनाओं के साथ आप सबको तथा प्रकाशक मंडल को बधाई।

डॉ. मेघेश तिवारी
प्राचार्य
विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा
महाविद्यालय, रायपुर

वार्षिक रिपोर्ट

शिक्षा विभाग

सत्र 2025

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2025 में निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया–

- महाविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा बीएड प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों हेतु नई तालीम विषय के अंतर्गत दिनांक 18/11/2024 को कौशल विकास का नियोजन एवं संगठन विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अरुण कुमार दुबे, प्राचार्य कोलंबिया कॉलेज थे, जिसमें उन्होंने कौशल विकास की विभिन्न विधियों पर प्रकाश डालते हुए व्यक्ति के सर्वांगीण विकास की बात कही।
- शिक्षा विभाग के तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बीएड प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के लिए दिनांक 19/11/24 को स्वागत समारोह (RUBARU 2K24) का आयोजन किया गया। जिसमें सीनियर्स के द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम , खेल एवं डांस के माध्यम से जूनियर्स का मनोरंजन किया गया।
- प्रशिक्षणार्थियों के कौशल विकास हेतु दिनाक 26/10/24 को दिया काफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया तथा विभिन्न कलाकृतियो के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन करते हुये धनार्जन किया।
- प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 6/11/2024 से 23/11/2024 तक किताब कुटिया का आयोजन किया गया। जिसमें छोटे बच्चो को अक्षर ज्ञान, अकज्ञान, गीत, कहानी का पठन–पाठन करवाया गया। साथ ही बच्चों को नशा न करने, शारीरिक व मानसिक रुप से मजबूत बनने तथा योग एवं ध्यान के बारे में बताया गया।
- दिनांक 26/10/2024 को प्रशिक्षणार्थियों के मनोरंजन एवं कौशल विकास हेतु विप्र हाट बाजार का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का स्टॉल लगाया गया। इस मेले के माध्यम से छात्रों ने धनार्जन किया। जिससे उनमें आत्म निर्भरता के गुणों का विकास हुआ।
- विभाग द्वारा प्रशिक्षणार्थियों के शिक्षण कौशल विकास हेतु दिनांक 10/12/2024 को राज्य स्तरीय टीचिंग लर्निंग मटेरियल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया एवं अपने कौशल का विकास किया।
- सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत 11/01/2025 को बाल आश्रम (मातृछाया) कोटा में छोटे बच्चों के लिए आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का प्रमुख उददेश्य समाज के हर छोटे बडे वर्ग से जुड़कर रहने और उनमें समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराने के साथ–साथ संवेदना का विकास करना है।
- शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 18/01/2025 को प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा सोमनाथ क्षेत्र के सिमगा स्थित ग्राम लखना में छात्रों ने सर्वेक्षण कार्य किया तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरुकता रैली निकाली। भ्रमण में महाविद्यालय के प्राचार्य समेत समस्त विभाग के प्राध्यापकगण की सहभागिता रही।
- संभाषण कौशल के अंतर्गत दिनांक 17/03/25 से 21/03/25 तक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया गया जिसका मुख्य उददेश्य प्रभावी शिक्षण कौशल का विकास करना था।
- महाविद्यालय द्वारा दिनांक 25/11/2024 से 05/12/202 तक नई तालीम विषय से संबंधित दस दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स का आयोजन किया गया। इस कोर्स की ट्रेनर डॉ. निवेदिता पंडा (फेविकिल सर्टिफाइड प्रोफेशनल स्पेशलिस्ट टीचर पीडीलाईट इंडस्ट्रीज मुम्बई) रहीं। इस कोर्स का उददेश्य छात्रों के हस्तकला कौशल का विकास करके उनमें आत्मनिर्भरता का विकास करना था।
- मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 25/01/2025 को मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य महोदय ने सभी को मतदान की शपथ दिलाते हुए एव वोट का महत्त्व समझाते हुए अनिवार्य रुप से मतदान करने प्रेरित किया।
- महाविद्यालय में दिनाक 17/05/2025 को बीएड द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बीएड चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य महोदय के निर्देशन में कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न प्रकार के मनोरजक गेम्स के द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और खूब एजॉय किया।
- एलुमनी एसोसिएशन, विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर छ.ग. द्वारा दिनांक 15/02/2025 को वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें प्राचार्य महोदय के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम हेतु महाविद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थियों ने शिक्षकों से मिले मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट किया साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के दौरान अपने महाविद्यालयीन समय के अनुभव एवं संस्मरण साझा किए।

Annual Report

Department of Computer & Science
Session 2025

It gives me immense pleasure to express my views on the release of college magazine. As you scan through the pages, it will enlighten you with the important milestones that department has achieved this year. The beginning of **session 2025** tarts with Fresher's party organized to welcome new students and followed by different activities like **Guest Lecture, Different sports, and various presentations to boost student's qualities and in last National Seminar organized from various experts to share their knowledge to students in various fields**. The overall Results in this session more than 90% Apart from that there are various other activities organized for students. Besides, our budding talents have expressed their thoughts, ideas, hopes, feelings, aspirations and convictions in a creative way.

Mr. Mohit Shrivastava
HOD,
Department of Computer & Science

Know your College (Induction Program)

Debate Competition

(Conducted By Department of Computer)

PPT Competition

(Conducted By Department of Computer)

Voting Awareness Program

(Conducted By Department of Computer)

National Seminar

(Conducted By Department of Computer)

विप्र, कला-वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय का परिचय

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक से 2014–2019 तक **'B'** ग्रेड (2–73 अंक) प्राप्त राजधानी का प्रथम निजी महाविद्यालय, छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन (शिक्षण समिति) द्वारा तत्कालीन उच्च शिक्षा मंत्री श्री रविन्द्र चौबे की प्रेरणा से रायपुर द्वारा गरीब एवं पिछड़े वर्ग के छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 1996 में स्थापित विप्र कला–वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय को यू.जी.सी., उच्च शिक्षा विभाग एवं एन.सी.टी.ई. से मान्यता एवं पं. रवि. शुल्क वि. वि. से स्थायी संबद्धता प्राप्त है। अत एवं समस्त पाठ्यक्रम, शिक्षा तथा परीक्षा की योजना विश्वविद्यालय के नियमों व निर्णय के आधार पर संचालित है ।

महाविद्यालय का उद्घाटन 24 अगस्त 1996 को महासमुंद के सांसद संत श्री पवन दीवान के श्री कर कमलों द्वारा जांजगीर के सांसद श्री मनहरणलाल पाण्डेय, कसडोल के विधायक डॉ. कन्हैयालाल शर्मा, नगर निगम के महापौर श्री बलबीर जुनेजा, पं. रवि. शुल्क वि. वि. के कुलपति डॉ. एन. के. गौराहा की विशिष्ट एवं गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था।

महाविद्यालय ने अपने शैशवावस्था में ही विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता का भव्यतम एवं सफल आयोजन कर शैक्षिणेत्तर गतिविधियों के अतिरिक्त छात्रों के व्यक्तित्व के समुचित विकास हेतु खेलकूद, सांस्कृतिक तथा शैक्षिणेत्तर कार्यक्रमों के आयोजन की वचनबद्धता का निर्वहन किया है। प्रथम वर्ष में ही महाविद्यालय के छात्रों ने अंतर विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। सत्र 97–98 से लगातार महाविद्यालय के छात्रों ने अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में पं. रवि. शुल्क वि. वि. का प्रतिनिधित्व किया है। साथ ही पं. रवि. शुल्क वि. वि. के इतिहास में पहली बार आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन भारोत्तोलन, शक्तितोलन एवं शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता का 21 से 25 दिसम्बर 98 तक भव्यतम सफल आयोजन कर विप्र महाविद्यालय ने अपने स्थापना के तृतीय वर्ष में ही कीर्तिमान स्थापित किया है।

महाविद्यालय के विकास कार्यों के संपादन के लिए 28 मई 97 को रायपुर शहर के विधायक माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल ने विधायक निधि से दो लाख रु. एवं नगर निगम के महापौर श्री बलबीर जुनेजा ने अन्य संसाधनों को उपलब्ध कराने में अहम भूमिका का निर्वहन किया है। जबकि आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराने में समाज के दानदाताओं की बड़ी संख्या में भागीदारी उनकी उदारता का परिचायक है।

परिणामतः छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति ने आर.डी. तिवारी स्कूल व्यवसायिक परिसर जी.ई. रोड के प्रथम तल में सर्वसुविधायुक्त महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य जनवरी 1999 में पूर्ण किया है। जो कि छात्र / छात्राओं को अधिक सुविधा मुहैया कराने के अपने उद्देश्य की पूर्णतः वचनबद्धता को प्रदर्शित करता है एवं 18 जनवरी 2000 को श्री रविन्द्र चौबे ने श्री सत्यनारायण शर्मा, श्री के. के गुप्ता, तात्कालीन मंत्रीगण (म.प्र. शासन) एवं महापौर श्री तरुण चटज, कुलपति, आचार्य श्री रणवीर सह शास्त्री, शहर विधायक श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं मो. अकबर (विधायक) की गरिमामय उपस्थिति में महाविद्यालय भवन का लोकार्पण किया । महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के निरीक्षण परीक्षण उपरांत पं.र.वि.वि. ने स्थायी संबद्धता प्रदान किया है एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विप्र महाविद्यालय को केन्द्रीय वित्तीय सहायता के लिए पात्र घोषित करते हुए विश्वविद्यालय अधिनियम की सूची 2 (एफ) तथा 12 (बी) में शामिल किया है। जिसके कारण विप्र महाविद्यालय अल्प समय में यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला अंचल कासंभवतः पहला महाविद्यालय है। दसवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत यूजीसी ने महाविद्यालय भवन में कक्ष निर्माण, लाइब्रेरी तथा कम्प्यूटर सुविधाओं के लिए लगभग 10 लाख रु. का अनुदान स्वीकृत किया है। साथ ही खेल मंत्रालय भारत सरकार व्यायम शाला के उपकरणों हेतु 2 लाख रुपये की राशि प्रदान कर शिक्षा के साथ–साथ खेल के क्षेत्र में महाविद्यालय की विशिष्ट भूमिका पर अपनी मुहर लगाई है। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन, शिक्षण समिति द्वारा डूमर तालाब परिक्षेत्र में क्रय 10 एकड़ भूमि में शारीरिक शिक्षा भवन शिलान्यास दिनांक 09 मार्च 2003 को तात्कालीन मुख्यमंत्री श्री अजीत प्रमोद कुमार जोगी जी द्वारा किया गया। वर्तमान समय में भवन निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। सत्र 2004–05 से शारीरिक शिक्षा, शिक्षा, कम्प्यूटर सहित अन्य संकाय की कक्षाएँ नए भवन में प्रारंभ की जा चुकी है। नवीन परिसर में ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में यू.जी.सी. से प्राप्त 38 लाख रु. महिला छात्रावास, 70 लाख रु. इनडोर हॉल का निर्माणकार्य पूर्ण हो चुका है साथ ही स्वयं के संसाधनों से महाविद्यालय परिसर में शिक्षा भवन में शिक्षा संकाय सर्व सुविधाओं से संचालित है ।

महाविद्यालय में सैद्धांतिक शिक्षा के साथ–साथ शारीरिक शिक्षा को अध्यापन का आधार बनाया गया है। जिसके तहत महाविद्यालय के खेल परिसर में हॉकी, कबड्डी, बास्केटबाल, सॉफ्टबाल, क्रिकेट, फुटबाल, खो–खो, हैण्डबाल, वालीबाल, बॉल बैडबिंटन सहित विभिन्न खेलों की सुविधाएं महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को वर्ष भर प्रशिक्षण के रूप में दिया जाता है।

कोरोनाकाल दो वर्ष में जब कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति संभव नहीं था। विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार ऑनलाईन कक्षाओं के माध्यम से निर्धारित समय में पाठ्यम पूर्ण कराया गया। प्राध्यापक विद्यार्थियों से सतत् ऑनलाईन जुड़े रहे और उनकी समस्याओं का समाधान करते रहें। इस दौरान अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के वेबीनार श्रृंखला के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों में गुणवत्ता लाने का प्रयास किया गया। महाविद्यालय के लिए गौरव का क्षण रहा, जब रजत जयंती वर्ष में योगा संकाय के अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार उद्घाटन समारोह में माननीय महामहिम सुश्री अनुसुईया उईके (राज्यपाल छ.ग.) मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित थी।

अनुक्रमणिका

वार्षिक रिपोर्ट शिक्षा विभाग 1
Annual Report Department of Computer & Science 2
विप्र, कला-वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय का परिचय 4
विश्व योग दिवस पर नेशनल सेमीनार का आयोजन 6
शिक्षा विभाग और कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा 7
दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
बालकृष्ण सम्मान समारोह 8
अशैक्षणिक सदस्यों के लिए वर्कशॉप का आयोजन 9
Role of Information Technology in Present Scenario 10
शिक्षा का दीपक, सबके लिए 11
एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन बालिका समस्या निवारण प्रकोष्ट गतिविधियाँ 12
बालिका समस्या निवारण प्रकोष्ठ गतिविधि ''जागरूकता रैली'' 13
एक किसान और बंदर के बीच की कहानी 14
The Voice of Guitar 15
राज्य स्तर बास्केट बॉल (पु.) प्रतियोगिता का अयोजन 16
Yoga Department 16
Tangled Thoughts 17
Artificial Intelligence And Technology 18
इन्टर कालेज सॉफ्टबाल (पु.) प्रति 2025 पुरस्कार वितरण सम्मान 19
बसंत पंचमी उत्सव 19
The Power Of Social Media Connecting People And Businesses 20
Notice 21
BCA Final Year Group 22
Poster Making Competition 22
HMPV Virus 23
An Article On I Believe 24
PPT Presentation By Students Mathematics Day Celebration 25
Memories 26
सपनों की ताकत 26
The Memory Thief 27
Value Added Course Organised By B.Ed Depertment 28
NEW GST POLICY 29
Save Water 30
वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 31
एड्स जागरूकता दिवस 31
Skill-Based Learning Over Degrees A Modern Approach 32
The Power Of Cricket Connecting Sports And Healthy Life 33
Computer And Science Department Activity World Computer Day Celebration 34
The Power Of Football Connecting Sports And Healthy Life 35
Cricket : The Game Of Statergy Skill And Passion 36
एक दिवसीय अतिथी व्याख्यान (अपार आई. डी.) आई. सी. टी. प्रकोष्ठ 37
The Impact of Artificial Intelligence on Modern Education 38
Student Life 39
विदाई समारोह (शिक्षा विभाग) 40
My Pat Dog 41
Air Pollution 42
Topic Environmental Awareness 42
वार्णिज्य विभाग अतिथि व्याख्यान 43
The Impact of Social Media on Modern Communication 44
Noise Pollution 45
Topic Nature 45
Commerce Fest 46
Water Pollution 47
Article 26/11 48
एंटी रैगिंग प्रकोष्ठ गतिविधियां 49
Topic Population 50
Jazbat 51
Topic Nature 51
निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ गतिविधियाँ 52
Topic Population 53
Agriculture 54
एन एस एस प्रोग्राम 55
बचपन जीवन का सबसे सरल और पवित्र समय 56
सुनो द्रौपदी शस्त्र उठालो अब गोविंद ना आएंगे 57
वार्षिक स्नेह सम्मेलन (रंग तरंग) 58
Topic Road Accident 59
The Game Of Chess Teaches You The Four Rules Of Success 60
An Article On Kumbh Mela 60
E-Library or Digital Library 61
Know Your Library 62
Alumini Meet 63
वाणिज्य संकाय द्वारा शिक्षक दिवस एवं प्रवेशोत्सव समारोह का हुआ आयोजन 64
विप्र कॉलेज इंटरकॉलेज पुरुष फुटबॉल में बना, चैंपियन 65
एन एस एस दिवस में एन एस एस स्वयंसेवक द्वारा शपथ ग्रहण कार्यक्रम 65
Library 66
कंप्यूटर डिपार्टमेंट द्वारा प्रवेशोत्सव समारोह का हुआ आयोजन 67
हिंदी दिवस पर छात्रों द्वारा कविता पाठ 68
वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा मोटिवेशनल मूवी शो का आयोजन 68
महाविद्यालय में विप्र हाट बाजार का आयोजन शिक्षा एवं वाणिज्य प्रबंध विभाग द्वारा किया गया 69
विप्र कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए हुआ, रुबरु का आयोजन 69
विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन 70
महाविद्यालय में शिक्षा विभाग द्वारा Poster Making Competition का आयोजन 70
इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज छठवीं बार चैंपियन बनने से चुकी 71
विप्र कॉलेज में कंप्यूटर विभाग द्वारा समूह नृत्य और एकल नृत्य का आयोजन 71
विप्र महाविद्यालय में कंप्यूटर डिपार्टमेंट के द्वारा 18 अक्टूबर को पीपीटी प्रेजेंटेशन कार्यक्रम आयोजित 72
मोहल्ले में किताब कुटिया : विप्र कॉलेज के शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों द्वारा 72
डॉ. विपिन दुबे ने विप्र कॉलेज में जल संरक्षण और वर्षा जल संग्रहण की जानकारी दी 73
कॉमर्स विभाग द्वारा गीत और समूह गीत प्रतियोगिता का आयोजन 73
राज्य स्तरीय बास्केटबॉल हेतु रायपुर सेक्टर की टीम घोषित 74
पोस्टर निर्माण कार्यक्रम एन एस एस स्वयंसेवकों द्वारा पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन 74
प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित की गई 75
कौशल विकास का नियोजन एवं संगठन पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन 75
इंटरकॉलेज वॉलीबॉल विप्र कॉलेज बना विजेता 75
कंप्यूटर साइंस के छात्रों द्वारा शिक्षक दिवस पर प्राध्यापकों का सम्मान 76
सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा में डॉ. मेघेश तिवारी हुए, सम्मानित 77
B.Ed अलुमनी प्रज्ञा अग्रवाल बहनो ने ग्रंथालय मे बुक बैंक के लिए Education एवम Science की 34 पुस्तके डोनेट की। 77
बी एड द्वारा शिक्षक दिवस समारोह 78
ई बुलेटिन विमोचन 78
विप्र कॉलेज में राज्य स्तरीय टी.एल.एम. प्रतियोगिता 79
विप्र कॉलेज में कंप्यूटर डे' पर बेस्ट ऑफ ई-वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन 79
''विद्यार्थी के लिए ई- कंटेंट का उपयोगी बनाना शिक्षक की जिम्मेदारी'' प्रो. एस.के. पांडे ई कंटेंट डेवलपमेंट विषय पर विप्र कॉलेज में तीन दिवसीय नेशनल वर्कशॉप 80
विप्र कॉलेज में प्रकृति परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन 81
विप्र महाविद्यालय में बीकॉम, बीएससी एवं बीसीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियो के लिए प्री सेमेस्टर परीक्षा का आयोजन 82
मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा आयोजन 83
वीर बाल दिवस का आयोजन 83
कॉमर्स विभाग द्वारा पूर्व छात्र मिलन सम्मेलन का आयोजन 83
रंग तरंग वार्षिक उत्सव का आयोजन,''भारतीय संस्कृति और परंपरा की झलक '' 84
कॉलेज कौंसिल की बैठक 85
विश्व कैंसर दिवस 85
ICT सेल द्वारा नेशनल साइंस डे मनाया गया 85
मां सरस्वती की पूजा करके बसंत पंचमी का उत्सव मनाया गया। 86
विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एन सी सी छात्रों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम 86
कॉमर्स विभाग द्वारा विदाई समारोह का आयोजन 87
जूनियर छात्र - छात्राओं ने अपने सीनियर के लिए फेयरवेल का आयोजन किया 87

विश्व योग दिवस पर नेशनल सेमीनार का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा माहाविद्यालय व दिशा कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में विप्र कॉलेज के सभागार में ''रोल आफ योगा प्रैक्टिस इन द डेवलपमेंट आफ फिजिकल एंड मेंटल एबिलिटी आफ प्लेयर''विषय पर शारीरिक शिक्षा एवं योगा विभाग द्वारा आयोजित सेमीनार के दूसरे दिन तकनीकी सत्र व योग दिवस का आयोजन किया गया। नेशनल सेमिनार का समापन समारोह छत्तीसगढ़ योग आयोग के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. राजेश गुप्ता एमबीबीएस ,एमडी ,रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ ।समापन अवसर पर ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि स्कूल और कॉलेज में योग अनिवार्य और नियमित होना चाहिए। विद्यार्थियों को अल्पायु से ही योग की शिक्षा दी जाए तो युवाओं का भविष्य बेहतर होगा और यह विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगा ।क्योंकि मन, मस्तिष्क और शरीर से स्वस्थ युवा ही बेहतर राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा कि योग वास्तव में भारतीय जीवन पद्धति है ,इसे हर एक भारतीय को अपनाना चाहिए। परंतु यह ध्यान रहे योग जीवन पद्धति है, इलाज नहीं है। नियमित योग करने से बीमारी से बच सकते हैं। पर बीमार होने पर डॉक्टर की सलाह से ही योग करें। सिर्फ योग के भरोसे ही बीमारी ठीक करने की कोशिश ना करें। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया कि विप्र महाविद्यालय में विगत 11 वर्ष से विद्यार्थियों के लिए योग अनिवार्य है और इसका लाभ विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से पता चलता है। विप्र महाविद्यालय के हरियाली से युक्त विशाल परिसर योग के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है इसलिए इसका लाभ सभी विद्यार्थियों को उठाना चाहिए। इसके पूर्व दूसरे दिवस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुबह 8:00 बजे से योगाचार्य संजय शर्मा ने योगाभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि रीड की हड्डी स्वस्थ रहे तो मनुष्य स्वस्थ रह सकता है इसलिए योगाभ्यास में रीड की हड्डी सीधी रखकर करना अनिवार्य है। उन्होंने सलाह दी योग नियमित करें ,यह अनुभव का विषय है। इसके बाद पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के दर्शन एवं योग विभाग के योगाचार्य चितरंजन साहू ने सूक्ष्म योग , प्राणायाम और ज्ञान का अभ्यास कराया। सेमिनार का संचालन संयोजक डॉ. कैलाश शर्मा ने किया। सेमिनार का संक्षिप्त विवरण आयोजन सचिव डॉ. रंजना मिश्रा ने प्रस्तुत किया ।इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग और कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

शिक्षाविभाग एवं कंप्यूटर विभाग द्वारा 卐शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समावेश विषय पर दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस विप्र महाविद्यालय और शासकीय के. आर डी महाविद्यालय नवागढ़ बेमेतरा, महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर एवं वीतराग रिसर्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्त्वावधान में आज से प्रारंभ हुआ।

बालकृष्ण सम्मान समारोह

अशैक्षणिक सदस्यों के लिए वर्कशॉप का आयोजन

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय और शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अशैक्षणिक सदस्यों के लिए वर्कशॉप का आयोजन 30 जून सोमवार को सुबह 9:30 बजे से किया जा रहा है। उपरोक्त जानकारी देते हुए विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी के प्राचार्य डॉ. मधुलिका अग्रवाल ने बताया कि विप्र कॉलेज के सभागार में आयोजित वर्कशॉप में दोनों महाविद्यालय के अशैक्षणिक सदस्यों के लिए व्यक्तित्व विकास सेशन के साथ कार्य में नैतिकता और कुशलता की ट्रेनिंग विषय विशेषज्ञ द्वारा दिया जाएगा। वर्कशॉप में दोनों महाविद्यालय के अशैक्षणिक सदस्यों की भागीदारी रहेगी।

Role of Information Technology in Present Scenario

Dr. Raksha Badgaiyan
Computer Science Department

Information Technology plays a vital role in this era. The application of IT is so widespread worldwide. It is used for different purpose like communication, study, banking, research, business, social media and much more. Actually it has become a trend. Any organizations cannot exist without IT. Machine Learning, Artificial Intelligence, IOT, Cloud Computing are the developing IT trends those brings revolution in the industry. With IT the teaching-learning process is become easy and interactive. The traditional technique is replaced by smart classes, video conferencing and e-learning. In the banking and business field the productivity is enhanced by IT.

IT has connected all over word with the help of internet, google, whatsapp, facebook. Medical science and agriculture are also using Information Technology. Scientific and research process is also going so fast. Information Technology is very important in 21st century. Each and every field cannot get their expected outcome without IT. They can work very accurately and timely. So we can say this age is "IT age".

शिक्षा का दीपक, सबके लिए

Mayank Kumar

सपनों में उड़ान भरे हर बच्चा,
पर मजबूरी का बंधन उसे रोकें सच्चा।
पढ़ाई का हक़ जो सबको मिला,
वो आज क्यों बन गया महंगा किला?

बस्ते में किताबों की जगह हैं चिंता,
पढ़ाई से पहले भरनी पड़ती है गिनती।
गिनती उन नोटों की जो जेब में नहीं,
और सपनों के आकाश में परवाज़ नहीं।

क्या ग़रीबी का मतलब सपने छोड़ देना?
या मेहनत से पहले पैसे जोड़ लेना?
जो पढ़ना चाहे, वो पढ़ न सके,
क्या शिक्षा का दीप अंधेरों में टिके?

हम शिक्षा के लिए उठाते सवाल,
नहीं सहेंगे गरीब के सपनों पर काल।
सरकार सुन ले, हमारी ये पुकार,
हर गांव, हर शहर में खोलो द्वार।

बने सरकारी कॉलेज हर ओर,
ताकि शिक्षा का दीप हो सबके सिरमौर।
फीस में कटौती, हो कदम नया,
तभी होगा देश का सपना सच्चा।

''आओ शिक्षा को धर्म बनाएं, हर घर में ज्ञान का दीप जलाएं।''

एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन बालिका समस्या निवारण प्रकोष्ठ गतिविधियाँ

बालिका समस्या निवारण प्रकोष्ठ गतिविधि ''जागरूकता रैली''

जागरूकता रैली

शैक्षणिक भ्रमण मे ग्रामीणों को किया जागरूक

Sajjan Shukla
BCA 1st Sem

एक किसान और बंदर के बीच की कहानी

एक मोटिवेशनल कहानी

आज से कुछ वर्षो पहले रीवा शहर के अन्दर एक छोटे से गाव में एक किसान रहता था। वह अपने खेत में दिन–रात मेहनत करता था और अपने परिवार के लिए अनाज उगाता था। एक दिन, जब वह अपने खेत में काम कर रहा था, तो एक बंदर उसके पास आया और उसे परेशान करने लगा। बंदर ने किसान के खेत में आने वाले अनाज को तोड़ना शुरू कर दिया। किसान ने बंदर को भगाने की कोशिश की, लेकिन बंदर नहीं माना। वह और भी जोर से अनाज तोड़ने लगा।

किसान ने सोचा कि वह बंदर को कैसे भगा सकता है। उसने एक योजना बनाई और एक बड़ा बोरा लेकर आया। उसने बोरे में एक छोटा सा छेद बनाया और उसमें कुछ अनाज डाला। बंदर ने देखा कि बोरे में अनाज है और उसने उसे खोलने की कोशिश की। जब उसने बोरे को खोला, तो अनाज बाहर गिर गया। बंदर ने सोचा कि वह अनाज को वापस बोरे में डाल सकता है, लेकिन जब उसने ऐसा करने की कोशिश की, तो उसका हाथ बोरे में फंस गया।

किसान ने देखा कि बंदर का हाथ बोरे में फंस गया है और उसने उसे पकड़ लिया। उसने बंदर से कहा, तुमने मेरे खेत में आने वाले अनाज को तोड़ा, लेकिन अब तुम्हारा हाथ मेरे बोरे में फंस गया है। बंदर ने किसान से माफी मांगी और कहा, मैंने गलती की है, मुझे माफ कर दो। किसान ने बंदर को माफ कर दिया और उसे अपने खेत से भगा दिया

इस कहानी से हमें यह सीखने को मिलता है कि हमें अपने कार्यों के परिणामों के बारे में सोचना चाहिए। अगर हम किसी को नुकसान पहुंचाते हैं, तो हमें उसके परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। इसीलिए, हमें हमेशा दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा रखनी चाहिए। इसके अलावा, इस कहानी से हमें यह भी सीखने को मिलता है कि हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। किसान ने अपने खेत में दिन–रात मेहनत की और अपने परिवार के लिए अनाज उगाया। हमें भी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए !

धन्यवाद

Rohit Bhale

THE VOICE OF GUITAR

by Rohit Bhale

The word guitar came to us either through the Latin “cithara” or the Arab 'Gitara' . It probably originated in Spain in the early 16th century. Guitar is a string instrument which is played by plucking the string. The main parts of guitar are the body, the fretboard, the headstock, and the strings. Guitar are usually made from wood and plastics is and their strings made of steel and nylon.

It is capable of playing more than one tone at a time. The guitar plays a central role in popular music, Rock, Latin, Funk, Jazz, and more. Guitar are the parts of the string and instrument family. It have a rich history that stretches back thousand of year (Mesopotamia and Egypt). Their two types of guitar:- Acoustic Guitar produce sound through the vibration to their string while Electric Guitar use electronic pickups to amplify the sound. Guitar comes in different shape and sizes. The fretboard helps in musician create different notes and chords. The guitar comes with a different numbers of strings typically featuring six strings, seven string, eight strings or twelve strings.

Guitar are not just instrument; they are gateways to creativity, self-expression, and the magic of music. The guitar has a way of capturing our heart and inspiring us to create own musical masterpieces. So, let the strings guide your fingers, embrace the power of practice, and let the world hear your guitar melodies…..

Playing the guitar require practice and dedication. Learning chords scales and techniques take time, but the reward is the ability to create beautiful music. So up a guitar strum a few chord and embark on a musical journey that will brings joy and inspiration.

राज्य स्तर बास्केट बॉल (पु.) प्रतियोगिता का अयोजन रायपुर सेक्टर उपविजेता रही आयेजन 16 अक्टूबर 2024

Yoga Department

TANGLED THOUGHTS

Komal Lakhwani
B.Ed 1st semester

In the quiet throbbing of a mind,
studies thrash like patches caught in a cosmic dance,
the twinkle of ideas pulsing with occlusion,
a lyrical tale in the stillness of night.
Words burgeon, swell, a drift of alleviation,
each palpitation a spark, a flicker of possibility,
a constellation of dreams,
threaded together by the thread of unappeasable curiosity.
Beneath the face, while the world sleeps,
the heart gates out measures, a symphony of suspicion,
a sonnet laden with pledge, a lush theater of fancies,
staying to bloom.
hear nearly, for in each twinkle,
the stories extend, ideas slip over like swells,
slinging in brilliance, surging with life,
a chorus of actuality, a breath, a twinkle, a palpitation, a fire.

Artificial Intelligence And Technology

Anurag Gautam
B.Com 3rd

Introduction

Artificial Intelligence (AI) and technology are two interwoven fields that have significantly transformed various aspects of human life, industry, and society. As we navigate through the 21st century, the impact of AI is becoming increasingly profound, influencing everything from healthcare and education to finance and entertainment.

AI can be categorized into two main types:-

1. **Narrow AI:** Also known as weak AI, this type is designed and trained for a specific task.
2. **General AI:** Also known as strong AI, this type would possess the ability to understand, learn, and apply intelligence across a wide range of tasks, similar to a human being.

The Role of Technology

Technology encompasses the tools, systems, and methods that humans create to solve problems and enhance their capabilities.

Key technological advancements that have fueled AI include:

Big Data: The vast amounts of data generated daily provide the raw material for training AI algorithms, enabling them to learn and improve over time.

Machine Learning: A subset of AI, machine learning involves algorithms that allow computers to learn from and make predictions based on data.

Natural Language Processing (NLP): This technology enables machines to understand and respond to human language, facilitating more intuitive interactions between humans and machines.

Conclusion

Artificial Intelligence and technology are at the forefront of a new era of innovation and transformation. As these fields continue to evolve, they hold the potential to address some of the world's most pressing challenges while also presenting new ethical dilemmas. Understanding the interplay between AI and technology is crucial for harnessing their power responsibly and effectively in the years to come.

इन्टर कालेज सॉफ्टबाल (पु.) प्रति 2024-25
पुरस्कार वितरण सम्मान

बसंत पंचमी उत्सव

THE POWER OF SOCIAL MEDIA CONNECTING PEOPLE AND BUSINESSES

Harsh Kumar Sahu
B.Com 1st Year

In today's digital age, social media has become an integral part of our lives. With billions of users worldwide, social media platforms have revolutionized the way we communicate, interact, and share information. In this article, we'll explore the impact of social media on society, its benefits and drawbacks, and how businesses can leverage social media to reach their target audience.

The Rise of Social Media

The first social media platform, (link unavailable), was launched in 1997. However, it was Facebook, launched in 2004, that popularized social media and made it a mainstream phenomenon. Today, there are numerous social media platforms, including Twitter, Instagram, LinkedIn, YouTube, and TikTok, each with its unique features and user base.

Benefits of Social Media

1. Connectivity: Social media has made it easier for people to connect with each other, regardless of their geographical location.
2. Information sharing: Social media platforms have enabled users to share information, news, and ideas with a large audience.
3. Business opportunities: Social media has opened up new avenues for businesses to reach their target audience, increase brand awareness, and drive sales.
4. Education and learning: Social media platforms have enabled users to access educational resources, online courses, and tutorials.

Drawbacks of Social Media

1. Addiction: Social media can be addictive, leading to a decrease in productivity and an increase in mental health problems.
2. Cyberbullying: Social media has enabled bullying and harassment, which can have serious consequences for mental health.
3. Fake news and misinformation: Social media platforms have enabled the spread of fake news and misinformation, which can have serious consequences for individuals and society.
4. Privacy concerns: Social media platforms have raised concerns about privacy, as users' personal data can be collected and used for targeted advertising.

How Businesses Can Leverage Social Media

1. Create engaging content: Businesses should create high-quality, engaging content that resonates with their target audience.
2. Use hashtags: Hashtags can help businesses increase the visibility of their content and reach a larger audience.
3. Run social media ads: Social media platforms offer targeted advertising options that can help businesses reach their target audience.
4. Engage with customers: Businesses should engage with their customers on social media, respond to their queries, and provide customer support.

Conclusion

Social media has revolutionized the way we communicate, interact, and share information. While it has numerous benefits, it also has some drawbacks. Businesses can leverage social media to reach their target audience, increase brand awareness, and drive sales. However, they should also be aware of the potential risks and take steps to mitigate them.

TOPIC :- NOTICE

Neha Turkar
B.Com 2nd Year

Campus Recruitment Drive 2025
Date: jan1, 2025
To All B.Com II Year

The Placement Cell of Central College is pleased to announce the upcoming Campus Recruitment Drive scheduled for April 5-7, 2025 This event is a significant opportunity for final year students from all departments to engage with top employers from various industries.

Event Details:
Dates: April 5-7, 2025
Time: 9:00 AM - 5:00 PM
Venue: College Auditorium and Seminar Hall

Participating Companies:

A wide range of companies from sectors such as IT, Finance, Engineering, Marketing, and more
will be participating. A detailed list of companies and the positions they are hiring for will be
available on the college notice board and the placement cell website.

Preparation Workshops:

To assist students in their preparation, the Placement Cell will organize workshops on resume
interview skills, and aptitude tests on March 20, 2025.

Registration:

BCA Final Year Group

Poster Making Competition

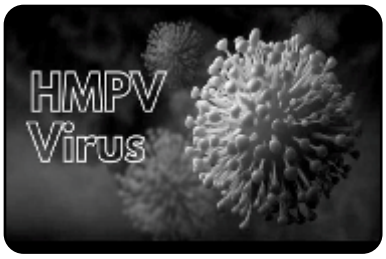

HMPV Virus

Kamlesh Sahu
B.Com 2nd Year

Human Metapneumovirus (HMPV) is a respiratory virus that belongs to the Paramyxoviridae family. It is a significant cause of acute respiratory infections, especially in young children, older adults, and people with weakened immune systems.

Key Facts about HMPV:

1. Discovery: Identified in 2001.

2. Transmission: Spread through respiratory droplets when an infected person coughs or sneezes, or by touching contaminated surfaces.

3. Symptoms: Mild cases: Cough, nasal congestion, fever, and sore throat. Severe cases: Wheezing, difficulty breathing, and pneumonia.

4. High-Risk Groups: Infants and young children, Elderly individuals, Immunocompromised patients, People with underlying lung conditions .

Diagnosis and Treatment:

Diagnosis: Confirmed using molecular tests like PCR or antigen detection from respiratory samples.

Treatment: No specific antiviral treatment is available. Supportive care includes rest, fluids, and medication to manage fever and cough.
Severe cases may require hospitalization and oxygen therapy.

Prevention: Practice good hand hygiene. Avoid close contact with infected individuals. Disinfect commonly touched surfaces.

AN ARTICLE ON I BELIEVE

Shashank Verma
B.Sc. [CS] 2nd YEAR

- I believe that all life is connected.
- I believe that human consciousness is not confined to the physical being.
- I believe that beauty is life displaying the essence of it's true being.
- I believe love is the act that tries to bring beauty into being.
- I believe that love is the glue and the bridge.
- I believe that the real heroes in life are the battlers and the givers, and those that are both are extra special.
- I believe in the worth of little things - in smiles, in hugs, in laughs, in well done, you're good, thanks.
- I believe that when I have enjoyed myself, I should tell those who have made it so.
- I believe in the joy in a sparkling eye.
- I believe that the whole is much bigger than the sum of the parts.
- I believe in being one's our own best friend.
- I believe in facing each day anew and leaving behind the troubles and mistakes of yesterday.
- I believe that one of the best things I can do for others is to show them I believe in them.
- I believe in helping people up.
- I believe that the worth of my life will depend on how I have loved and laughed, cared and shared - and not on the length of my years or the balance in my account.

PPT Presentation By Students Mathematics Day Celebration

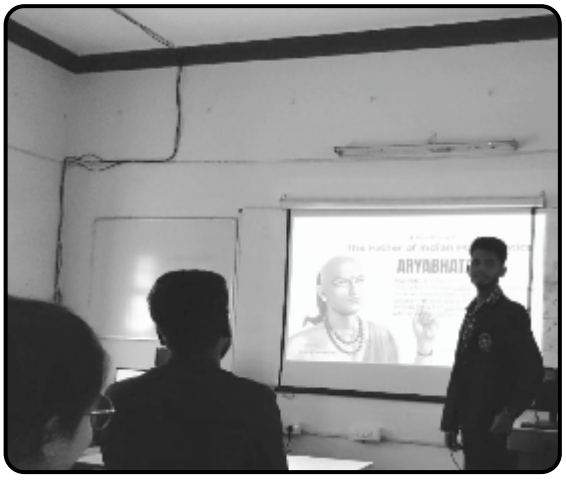

Memories

Seema Sinha
B.Com 2nd Year

We may complain about our school work, Perhaps we think our lessons hard. We'd much prefer to be out playing, And running in the big schoolyard. But with the passing of the years The dearest memories we'll call Will be of hours that we have spent Within the old gray schoolhouse wall.

We may consider it a trial To have to add and multiply, And lessons in geography Bring many a long-drawn, anxious sigh, But with the passing of the years When time has cast its purple haze, The memories that we will treasure Will be of long-gone, old school days.

सपनों की ताकत

समीर भास्कर
बी.एड. (प्रथम सेमेस्टर)

आरव एक छोटे से गाँव का लड़का था, जहाँ शिक्षा का अधिक महत्व नहीं था। उसके पिता एक किसान थे और परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। लेकिन आरव का सपना था कि वह एक दिन सॉफ्टवेयर इंजीनियर बने।

गाँव के सरकारी स्कूल से पढ़ाई करने के बाद, आरव ने आगे की पढ़ाई के लिए शहर जाने की बात की। घर की स्थिति को देखते हुए, उसके माता–पिता ने मना कर दिया। लेकिन आरव ने ठान लिया था कि वह अपने सपनों को नहीं छोड़ेगा।

उसने स्कॉलरशिप के लिए कड़ी मेहनत की और उसे एक अच्छे कॉलेज में दाखिला मिल गया।

दिन में कॉलेज और रात में पार्ट–टाइम नौकरी करके उसने अपनी पढ़ाई पूरी की।

कॉलेज में उसने एक ऐसा मोबाइल ऐप बनाया, जो किसानों को उनकी फसल की कीमत और मौसम की जानकारी देता था। यह ऐप इतना लोकप्रिय हुआ कि आरव को एक बड़ी टेक कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला।

आज आरव एक सफल इंजीनियर है और अपने गाँव के बच्चों की पढ़ाई के लिए प्रेरणा बन चुका है।

सीख – यह कहानी बताती है कि अगर आपके इरादे मजबूत हों,
तो परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, आप अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं।

THE MEMORY THIEF

Priyanshu Dewangan
B.Com 2nd Year

In the city of New Haven, memories were a currency more valuable than money. People's experiences, skills, and knowledge were extracted from their minds and stored in a virtual reality called the Nexus. The Nexus was a utopia where people could live out their fantasies, learn new skills, and relive their fondest memories.

But there was a dark side to the Nexus. A black market for memories had emerged, where people's experiences were stolen and sold to the highest bidder. The memory thieves were a mysterious group, known only by their handle “The Forgetters.”

Ava was a brilliant memory detective who had lost her own memories in a tragic accident. She had spent years trying to recover them, but to no avail. One day, she received a cryptic message from an unknown sender, claiming to have information about her past.

The message led Ava to an abandoned warehouse on the outskirts of the city. Inside, she found a young man with piercing blue eyes and jet-black hair. He introduced himself as Elijah, a former member of The Forgetters.

Elijah told Ava that he had stolen memories from some of the most powerful people in the city, including the CEO of the Nexus. He had grown tired of the memory trade and wanted to make amends. Elijah offered to return Ava's memories in exchange for her help in taking down The Forgetters.

Ava agreed, and together they embarked on a perilous journey through the underworld of New Haven. They encountered memory addicts, corrupt businessmen, and even a rogue AI who sought to control the Nexus.

As they navigated the complex web of memories, Ava began to recover fragments of her past. She remembered her childhood, her parents, and her first love. But with each recovered memory, Ava realized that her past was not what she had expected.

Elijah, too, had secrets of his own. Ava discovered that he was not just a former member of The Forgetters, but also the son of the CEO of the Nexus. Elijah's motivations were not entirely altruistic; he sought to overthrow his father and take control of the Nexus.

Ava was torn between her loyalty to Elijah and her duty to protect the Nexus. In the end, she made a choice that would change the course of her life forever.

With Elijah's help, Ava took down The Forgetters and recovered her memories. But she also discovered that her past was not as important as her present. Ava realized that she had the power to create new memories, to forge new relationships, and to build a new life.

The story of Ava and Elijah serves as a reminder that memories are precious, but they are not the only thing that defines us. Our experiences, our choices, and our relationships shape who we are, and it's never too late to create a new narrative.

Thankyou

Value Added Course Organised By B.Ed Depertment

NEW GST POLICY

Atul Mishra
B.Com 3rd Year

The Goods and Services Tax (GST) regime in India is undergoing significant changes to enhance tax compliance and revenue collection. Recent policy updates include:

* **E-invoicing Expansion:** The scope of mandatory e-invoicing has been expanded to include businesses with an annual turnover exceeding ₹5 crore. This move aims to further digitize transactions and improve data accuracy.

* **Stricter Refund Claims:** New rules have been introduced to prevent misuse of the GST refund mechanism. These include stricter documentation requirements and enhanced scrutiny of refund applications.

* **Focus on Compliance:** The government is intensifying efforts to improve tax compliance. This includes measures such as increased audits, stricter penalties for non-compliance, and the use of data analytics to identify potential tax evasion.

* **Technology-Driven Reforms:** The GSTN portal is being continuously upgraded to incorporate new features and improve user experience. This includes the introduction of new forms, simplified filing procedures, and improved data analysis tools.

These policy changes aim to create a more robust and efficient GST system. By streamlining processes, enhancing compliance, and preventing revenue leakage, the government aims to boost tax collections and contribute to economic growth.

* **Disclaimer:** This information is for general knowledge and informational purposes only and does not constitute professional advice.

Note: This article provides a brief overview of recent GST policy updates. The actual policy details and their implementation may vary.

I hope this expanded response provides a more comprehensive understanding of the evolving GST landscape in India.

SAVE WATER

Domesh Kumar
B.Com 2nd Year

Many people are living with less water than they need, whether in the world's most prosperous Cities or in its bountiful agricultural heartlands.Droughts have also become more frequent, more severe, and affecting more people around the World. As many as four billion people already live in regions that experience severe water stress for at Least one month of the year. With populations rising, these stresses will only mount.

Water is the precious gift of God on earth. Life exists on the earth because of the availability of water. Itself being tasteless, odourless and colourless, it adds taste, colour and nice smell in the life of living Beings on the Earth. Here are different methods we can follow to save clean drinking water and deal with the water Scarcity. Rain water harvesting is one of the most effective and suitable methods among save water Techniques. Deforestation is also a good method as it reduces the surface runoff and recharges the groundwater. It promotes underground water conservation. By practicing such methods we can conserve more Water naturally and ensure the availability of it for future generations. We should take a pledge and Make it a lifelong motto to preserve water because, “If you conserve water, it means you conserve life.”

Thank you

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

एड्स जागरूकता दिवस

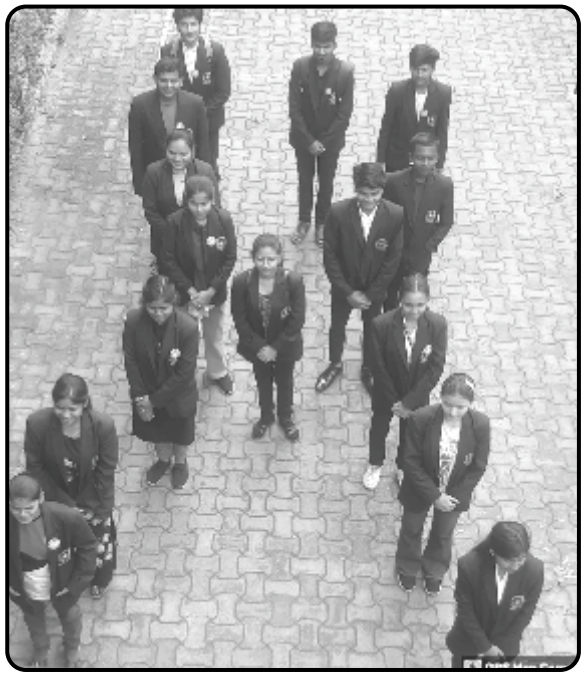

Skill-Based Learning Over Degrees A Modern Approach

Khushi Shukla
B.Sc 2nd Year

In today's rapidly evolving job market, skill-based learning is increasingly seen as a viable alternative to traditional degree programs. While degrees have long been standard for securing jobs, employers are now placing greater value on practical skills and real-world experience.

This shift is driven by the fast pace of industry changes and the rise of online learning platforms, which provide affordable and flexible opportunities to acquire job-specific skills.

Skill-based learning focuses on developing competencies such as coding, digital, and project management, allowing individuals to quickly transition into the workforce. Unlike traditional degrees, which can take years to complete and incur significant costs, skill-based education is often more affordable and faster.

Online courses, bootcamps, and certifications can be completed in a fraction of thetime, providing learners with targeted expertise.

One key benefit of skill-based learning is that it equips individuals with the specific skills employers need, often making them more immediately employable. Industries like tech, design, and healthcare are increasingly emphasizing skills over academic credentials. Additionally, skill-based learning is flexible, allowing learners to balance education with other commitments.

However, skill-based learning is not without challenges. Some employers still prefer degrees, especially in fields that require formal education, like law or medicine. Moreover, without the structure of a degree program, learners might struggle with self-discipline and motivation.

In conclusion, while traditional degrees still hold value, skill-based learning offers a more flexible, cost-effective, and practical path to career success, particularly in industries where specific skills are in high demand. As education continues to evolve, combining degrees with skill development may become the most effective approach for future professionals.

THE POWER OF CRICKET CONNECTING SPORTS AND HEALTHY LIFE

Yuhan Sontakke
B.Com 1st YEAR

INTRODUCTION OF CRICKET

Cricket is a bat-and-ball sport played between two teams of 77 players. The goal is to score more runs than the opposing team by hitting the ball and running between wickets. The game has various formats, including Test cricket, One Day Internationals, and Twenty20. It is popular in countries like India, England, Australia, and Pakistan.

The term cricket can have multiple meanings depending on the context:

1. **Sport:** Cricket is a popular bat-and-ball game played between two teams of 77 players on a field with a 22-yard-long pitch. The objective is to score runs and dismiss the opposing team's players. It's widely played in countries like England, India, Australia, Pakistan, and South Africa.
2. **Insect:** A cricket is a small insect related to grasshoppers, known for the chirping sound produced by the males rubbing their wings together. Crickets are found worldwide and are often associated with quiet, peaceful environments.
3. **Metaphorical Usage:** The phrase "not cricket" is an idiom referring to something unfair or not in the spirit of fairness, derived from the sport's emphasis on integrity and fair play.
   Silence or inactivity can be humorously referred to as "crickets," implying nothing is happening or no one is responding.

BENIFITS OF CRICKET

1. **Physical Health :** Improves stamina, strength, and overall fitness.Enhances hand eye coordination and reflexes.Promotes cardiovascular health and burns calories.
2. **Mental Health :** Boosts focus, concentration, and decision-making skills.Reduces stress and anxiety through active participation.Builds confidence and resilience.
3. **Social Skills :** Encourages teamwork and communication.
   Builds sportsmanship and mutual respect.strengthens friendships and social networks.
4. **Personal Development :** Develops leadership qualities.
   Enhances discipline and time management. Instills patience and strategic thinking.
5. **Community and Career Opportunities :** Brings people together, fostering unity.
   Opens pathways for professional sports careers.
6. **Fun and Enjoyment :** Provides recreational value and a sense of achievement.

CONCLUSION OF CRICKET

Cricket is more than just a sport; it is a unifying force that transcends boundaries, cultures, and generations. With its rich history, diverse formats, and passionate following, cricket continues to inspire millions around the world.

The game's ability to foster camaraderie, showcase athletic excellence, and deliver thrilling moments ensures its enduring appeal. As cricket evolves with modern innovations, it remains a cherished tradition and a symbol of sportsmanship, teamwork, and resilience.

Computer And Science Department Activity
World Computer Day Celebration

THE POWER OF FOOTBALL CONNECTING SPORTS AND HEALTHY LIFE

Mourya Bhaskar
B.Com 1st YEAR

INTRODUCTION OF FOOTBALL

Football, or soccer, is the world's most popular sport, played by two teams of Tl players each on a rectangular field with goals at either end. The objective is to score more goals than the opponent within 90 minutes. Originating in England in the 79th century, football is governed by standardized rules under the Laws of the Game. It emphasizes skill, teamwork, and strategy, with major tournaments like the FIFA World Cup uniting billions of fans worldwide. Football promotes physical fitness, teamwork, and cultural unity, making it a universal language and a symbol of global camaraderie.

MEANING OF FOOTBALL

Football is a widely popular team sport played in various forms around the world. The meaning of "football" varies depending on the region:

1. **Association Football (Soccer):** In most parts of the world, "footbaW' refers to soccer, a game played between two teams of 77 players each. The objective is to score goals by kicking a spherical ball into the opposing team's goaL It is governed by the rules of FIFA (Fédération Internationale de Football Association).
2. **American Football:** In the United States and Canada, "football" refers to American football, a sport where two teams of players each compete to advance an oval shaped ball into the opponent's end zone, primarily by running or passing.
3. **Other Variants:** Rugby Football: Popular in countries like the UK, Australia, and New Zealand. It involves carrying and passing an oval-shaped ball.

Australian Rules Football: - A fast-paced game unique to Australia, played with an oval ball on an oval field. Gaelic Football: An Irish team sport that combines elements of soccer and rugby.

Benefits of Football

1. Improves physical fitness and cardiovascular health.
2. Builds muscle strength and endurance.
3. Enhances agility, coordination, and flexibility.
4. Reduces stress and improves mental health.
5. Develops teamwork, communication, and leadership skills.
6. Boosts confidence and self-discipline.
7. Encourages resilience and problem-solving.
8. Fosters social connections and friendships.
9. Teaches sportsmanship and respect.
10. Promotes a healthy lifestyle and weight management.

CONCLUSION OF FOOTBALL - The conclusion of football can be interpreted in different ways depending on the context. Here are a few possible perspectives:

1. As a Game: Football concludes when the final whistle blows, marking the end of the match. The outcome is determined by the scoreline, showcasing the efforts and strategies of both teams.
2. As a Sport: Football represents more than just a game—it brings people together, inspires passion, and creates unforgettable moments. Its conclusion is never absolute, as each season, tournament, or league ends, only to give way to another.
3. Symbolically: Football concludes with the lessons it imparts: teamwork, resilience, discipline, and the celebration of human spirit and unity. These lessons continue to resonate beyond the pitch.

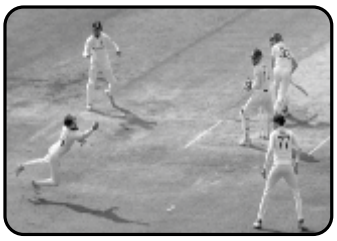

CRICKET : THE GAME OF STATERGY SKILL AND PASSION

HIMANSHU PAWAR
B.Com 1st YEAR

Cricket is more than just a sport—it's a global phenomenon that captivates millions with its blend of strategy, athleticism, and history. Originating in England in the 16th century, it has evolved into one of the most widely followed sports in the world, particularly in countries like India, Australia, Pakistan, England, and South Africa. Whether it's the elegance of a perfectly timed cover drive or the thrill of a fast bowler's blistering delivery, cricket brings a unique charm that transcends cultural barriers.

The Basics of the Game - At its core, cricket is a bat-and-ball game played between two teams, each consisting of eleven players. The object of the game is to score more runs than the opposing team. The team that bats tries to accumulate runs by hitting the ball, while the team that bowls and fields aims to dismiss the batsmen and restrict their runs. There are various formats of the game, with Test cricket being the longest (lasting up to five days), One-Day Internationals (ODIs) with 50 overs per side, and Twenty20 (T20) cricket, which has 20 overs per side and is the shortest and most explosive format.

The Art of Batting - Batting in cricket is a delicate balance between technique, temperament, and timing. The batsman must defend his wicket (the stumps) while looking for scoring opportunities. Shots like the cover drive, pull, and cut are beloved by fans and are a testament to the skill involved. The best batsmen can manipulate the field and rotate strike while also punishing loose deliveries. Greats like Sachin Tendulkar, Ricky Ponting, and Brian Lara have set benchmarks with their batting prowess.

The Science of Bowling - Bowling is as much about skill as it is about mental warfare. Fast bowlers aim to bowl the ball at high speeds, often exceeding 90 mph, with the aim of deceiving the batsman with variations in pace, swing, and bounce. Spin bowlers, on the other hand, rely on guile and flight, using subtle changes in spin and angle to deceive batsmen. Bowlers like Shane Warne, Muttiah Muralitharan, and Glenn McGrath are celebrated for their mastery in this art.

Fielding: The Unsung Hero - Fielding plays a pivotal role in cricket, often deciding the outcome of a match. A brilliant catch, a direct hit at the stumps, or a diving save can shift the momentum in a match. Fielders are often seen as the unsung heroes, contributing significantly to the success of their teams. With the introduction of advanced fielding techniques and fitness standards, fielding has become a highly skilled aspect of the game, with players like Jonty Rhodes and Ben Stokes leading the way.

The Spirit of Cricket - Beyond its technical aspects, cricket is known for its emphasis on fair play and respect for opponents. The "Spirit of Cricket" is a concept that encourages players to uphold the highest standards of integrity on and off the field. This respect for the game is what gives cricket its unique character, creating a culture of mutual respect, even in the heat of competition.

The Global Impact of Cricket - Cricket's impact extends beyond the pitch. It serves as a source of unity, pride, and inspiration, particularly in countries like India, where cricket is almost a religion. Iconic tournaments like the Indian Premier League (IPL) have brought together top-tier international talent and changed the landscape of the sport, blending entertainment with cricketing excellence.

Conclusion - Cricket continues to evolve, with advancements in technology and innovation continually shaping how the game is played and enjoyed. Its unique blend of skill, strategy, and passion ensures that it remains a beloved sport for generations to come. Whether it's the cricketing giants battling in the Ashes series or a local match in a suburban park, cricket binds people together, making it not just a game, but a way of life.

एक दिवसीय अतिथी व्याख्यान (अपार आई. डी.) आई. सी. टी. प्रकोष्ठ

एक साथ प्रकाशित

अपार आईडी पर दो कालेजों में एमओयू

अपार आईडी से युवाओं को भविष
डाक्यूमेंट्स लेकर चलने से मिले

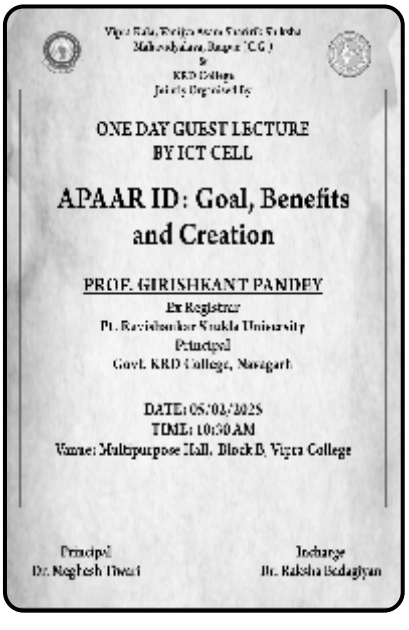

Vipra Kala, Vanijya Avam Sharirik Shiksha Mahavidyalaya, Raipur (C.G.) & KRD College Jointly Organised By

ONE DAY GUEST LECTURE
BY ICT CELL

APAAR ID: Goal, Benefits and Creation

PROF. GIRISHKANT PANDEY
Ex Registrar
Pt. Ravishankar Shukla University
Principal
Govt. KRD College, Navagarh

DATE: 05/02/2025
TIME: 10:30 AM
Venue: Multipurpose Hall, Block B, Vipra College

Principal
Dr. Meghesh Tiwari

Incharge
Dr. Raksha Badagiyan

The Impact of Artificial Intelligence on Modern Education

Aakash Bala
B.Com 3rd YEAR

The Impact of Artificial Intelligence on Modern Education

Artificial Intelligence (AI) is changing the way we learn and teach, making education more personalized, efficient, and accessible. Here's how AI is impacting modern education in simple terms:

1. Personalized Learning

AI can create custom learning experiences for each student. It understands how a student learns and adjusts lessons to fit their needs. For example, if someone struggles with math, AI-powered tools can offer extra practice and explain concepts step by step.

2. Access to Education

AI helps bring education to people who might not have access to schools or teachers. Online platforms powered by AI can teach students in remote areas or those with special needs.

3. Time-Saving for Teachers

AI tools help teachers save time by grading assignments, creating lesson plans, and even tracking student progress. This allows teachers to focus more on teaching and helping students.

4. Language Learning

AI tools like language apps can help people learn new languages by providing real-time feedback on pronunciation and grammar. They make learning interactive and fun.

5. Overcoming Barriers

AI can translate lessons into different languages or convert text into speech, making learning accessible to non-native speakers and visually impaired students.

Conclusion

Ai is transforming education by making it more tailored, accessible, and engaging. While it can't replace teachers, it works as a powerful tool to support both students and educators in achieving better learning outcomes.

STUDENT LIFE

M. Mansi Rao
BCA 2nd Year

Student life is one of the most memorable phases of a person's life. The phase of student life builds the foundation of our life. In student life, we do not just learn from books. We learn to grow emotionally, physically, philosophically as well as socially. Thus, in this student life essay, we will learn its essence and importance.

Student life is meant to help us learn discipline and study. Despite that, life is quite enjoyable. The struggle is low in student life. One must get up early in the morning to get ready for school or college.

With the examination time around the corner, the fun stops for a while but not long. One of the most exciting things about student life is getting to go on picnics and trips with your friends.

You get to enjoy yourself and have a lot of fun. Even waiting for the exam result with friends becomes fun. The essence of student life lies in the little things like getting curious about your friend's marks, getting jealous if they score more..

विदाई समारोह (शिक्षा विभाग)

My Pat Dog

Poshan Ku. Sahu
B.Com

Introduction - **Mypat Name :-** Jeck, **Age :-** 5 year
Golden Retrievers: A Beloved Companion

1. Introduction - Dogs are often called "man's best friend," and among the many breeds, golden retrievers hold a special place in the hearts of pet lovers. Known for their golden fur, friendly demeanor, and intelligence, they are one of the most popular dog breeds worldwide. This essay explores their nature, intelligence, care needs, and the joy they bring to families.

2. Friendly Nature - Golden retrievers are famously friendly and loving. They are gentle with children and form strong bonds with their families. Their sociable nature makes them great companions for people of all ages. Golden retrievers also get along well with other pets, making them a favorite in multi-pet households.

3. Playfulness and Energy - Golden retrievers are energetic and playful. They love activities like fetch, swimming, and long walks. Their need for exercise makes them ideal for active families. Whether running in the park or playing in the backyard, their enthusiasm brings joy to their owners.

4. Golden Retrievers as Family Dogs - Golden retrievers are more than just pets—they are family members. Their affectionate and loyal nature creates strong emotional bonds. They are always ready to comfort their owners during tough times or join in celebrations, making every moment special.

5. Conclusion - Golden retrievers are truly remarkable dogs. Their loving personality, intelligence, and playful energy make them an excellent choice for families and individuals alike. Caring for a golden retriever is a rewarding experience that fills life with unconditional love and happiness.

Air pollution topic

Shashikala Barma
B.Com 2nd Year

Air pollution is a major public health threat that involves the release of harmful substances
into the air:

Causes

Air pollution can come from many sources, including household combustion devices, motor vehicles, industrial facilities, and forest fires.

Effects

Air pollution can cause a wide range of health issues, including respiratory diseases, heart disease, stroke, lung cancer, and chronic obstructive pulmonary diseases. It can also harm animals and plants.

Impact

The World Health Organization (WHO) estimates that air pollution is responsible for nearly seven million deaths each year.

Environmental Awareness

Beauty Deb
B.Com 2nd Year

Environmental awareness is the understanding how human actions affect the environment and importance of protecting it. Some of the problems that can harm to our environment.To ensure survival and sustainability of planet for future generations. It is our responsibility to change our behaviour and learn to improve upons our actions towards the environment. One of the best way to proactively take steps in the right direction is to become more environmentally and tech others how to become aware of environment These includes:

- **Deforestation:** Wildlife extinction happens as result of cutting trees creatures are been forced out of their habitat and thus, their survival rates significanctly dimnish.
- **Oil drilling:** Our culture as a whole has a addiction and dependence on fossil fuel.
- **Plastic goods production:** Much of wastes that creates devasting effects on planet occurs from plastic consumption

वार्णिज्य विभाग अतिथि व्याख्यान

The Impact of Social Media on Modern Communication

Prateek Yadu
B.Com 2 Year

Social media has revolutionized the way .We communicate transforming personal professional and societal interactions. Platforms like Facebook, Twitter, Instagram, and TikTok have made real-time communication seamless, but their influence extends far beyond convenience.

1. Bridging Distances

Social media has made the world smaller. People can connect with loved ones across the globe instantly, breaking down geographical barriers. It has also enabled businesses to reach international .

2. Changing Communication Styles

The rise of emojis, GIFs, and memes has created a new visual language.

Brevity dominates, with concise messaging and character limits, reshaping how we express emotions, thoughts, and opinions. While these tools enhance creativity, they also risk oversimplifying complex conversations.

3. Amplifying Voices

Social media empowers individuals and communities to share their stories, voice opinions, and advocate for change. Movements like #MeToo and #BlackLives Matter gained momentum due to social platforms, showcasing their role in driving societal impact.

4. The Dark Side: Misinformation and Polarization

While social media fosters connection, it also spreads misinformation rapidly, influencing public opinion and political discourse. Algorithms can create echo chambers, intensifying polarization and reducing exposure to diverse viewpoints.

5. Mental Health and Communication

Excessive social media use impacts mental health, leading to issues like anxiety and loneliness. Unrealistic portrayals of life and constant connectivity can strain relationships, affecting genuine communication.

Noise Pollution

Lata Sahu
B.Com 2nd Year

Noise pollution is caused by extreme noises generated by sources such as industry, transport, loudspeakers, etc, which adversely affect human health by causing headaches, migraines, mental imbalance, nervous breakdowns, and heart diseases. There are numerous health hazards associated with noiseNoise pollution is an invisible danger. It cannot be seen, but it is present nonetheless, both on land and under the sea. Noise pollution is considered to be any unwanted or disturbing sound that affects the health and well-being of humans and other organisms. Sound is measured in decibels. Noise pollution is the transmission of noise in the environment with harmful impact on activities of human beings or wild life. The unwanted sound that is unpleasant, disruptive and loud to earshot is noise. Noise pollution is harmful for the physical as well as mental health.

Topic Nature

Sweety Deb
B.Com 2nd Year

Thenatural world has been reccuring world of poetry the primary one in every age and every country we cannot defineas nature it was a historical determined .Think about Useall your senses to describe what it smells, feels, tastes, sounds, and looks like. Don't worry if the words don't immediately fit together– any one of these descriptions could be a starting point for a poem.

Commerce Fest

Water Pollution

Anjali Nayak
B.Com 2 Year

Water pollution is a serious environmental issue that affects human health, the economy, and aquatic life. It's caused by the contamination of water bodies with harmful substances, such as chemicals, heavy metals, and plastic waste. Some sources of water pollution include Industrial discharges Wastewater from industries can contain toxic pollutants and organic matter.

Agricultural runoff - Excess fertilizers and pesticides from agriculture can pollute water bodies.

Sewage - Sewage from households contains chemicals and bacteria that can be harmful to human health and the environment.

Marine commerce - Dumping of radioactive substances into seawater.

Offshore oil rigs - Oil and other chemicals can leak from offshore oil rigs and contaminate groundwater. Water

Pollution: A Long Essay

Water is a vital resource that sustains life on Earth. However, the contamination of water bodies due to human activities, known as water pollution, has become one of the most pressing environmental challenges of our time. This essay explores the causes, effects, and potential solutions to water pollution, emphasizing its critical impact on ecosystems, human health, and the global environment.

Causes of Water Pollution - Water pollution arises from various sources, both natural and anthropogenic. Key contributors **include:-**

1. **Industrial Discharge:** Factories release harmful chemicals, heavy metals, and untreated wastewater into rivers, lakes, and oceans. These pollutants can drastically alter the chemical composition of water, making it unsafe for consumption and aquatic life.
2. **Agricultural Runoff:** Fertilizers, pesticides, and animal waste from agricultural activities often seep into nearby water bodies. Excess nutrients, such as nitrogen and phosphorus, lead to eutrophication, depleting oxygen levels and killing aquatic organisms.
3. **Sewage and Domestic Waste:** Untreated sewage from households introduces pathogens, organic matter, and harmful substances into water sources, leading to the spread of waterborne diseases.
4. **Plastic Pollution:** Plastics and microplastics are major pollutants, especially in oceans. These materials take centuries to decompose, harming marine life and entering the food chain.
5. **Oil Spills:** Accidents during the extraction or transportation of oil result in devastating spills that coat water surfaces, suff.

ARTICLE 26/11

Atul Pandey
B.Com 2 Year

The 26/11 Mumbai attacks were meticulously planned and executed, involving complex strategies, advanced technologies, and a significant amount of coordination. Over time, multiple theories have emerged to explain various aspects of the attacks, ranging from their execution to the geopolitical implications. Below are some of the key theories related to the 26/11 attacks:

1. Lashkar-e-Taiba's Role

Theory: The attacks were masterminded and executed by Lashkar-e-Taiba (LeT), a Pakistan based Islamist militant group, with the goal of destabilizing India and creating global fear.

Evidence: The lone captured terrorist, Ajmal Kasab, revealed detailed information during interrogation. Communication intercepts showed direct instructions from handlers in Pakistan to the attackers. The training and logistics pointed to sophisticated planning and external support.

Implications: This theory is widely accepted, as it underscores the role of LeT and its connections to Pakistan's intelligence agencies, particularly the ISI (Inter-Services Intelligence).

2. State Sponsorship and ISI Involvement

Theory: Elements within Pakistan's establishment, including the ISI, provided logistical and of inancial support to the attackers.

Evidence: Kasab's confession indicated that the training camps were located in Pakistan. U.S. intelligence reports and dossiers submitted by India pointed to ISI's involvement. The attackers used sophisticated communication equipment, which raised questions about state sponsorship.

Criticism: Pakistan has consistently denied any state involvement, claiming non-state actors were responsible.

3. Inside Job or Security Lapses

Theory: Some conspiracy theorists allege that the attacks might have been facilitated by internal lapses or even insider help.

Arguments: Questions were raised about how the attackers managed to navigate Mumbai with such precision.

Critics pointed to the slow response by security forces, allowing the siege to prolong. Allegations of ignored intelligence warnings further fueled this theory.

Counterpoints: These claims lack substantial evidence and are generally dismissed by experts as speculative.

4. Geopolitical Strategy

Theory: The attacks were a strategic move to shift global attention, especially on Pakistan and its role in fostering terrorism.

Arguments: The timing coincided with Pakistan facing international pressure for harboring terrorist groups. The scale of the attack highlighted the growing threat of urban terrorism.

Impact: This theory emphasizes the broader geopolitical implications, including strained India-Pakistan relations and global counter-terrorism efforts.

एंटी रैगिंग प्रकोष्ठ गतिविधियां

विप्र महा विद्यालय के एंटी रैगिंग प्रकोष्ठ द्वारा विधार्थियों के लिए रैगिंग संबंधित जागरूकता हेतु दिनांक 22/11/24 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप मे डॉ राजेंद्र शुक्ला, दुर्गा महाविद्यालय को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ रैगिंग जैसी गतिविधियों मे ना शामिल होने की शपथ के साथ हुआ। मुख्य वक्ता द्वारा विधार्थियों को रैगिंग के कारण, प्रभाव तथा उसके दुष् परिणामों के बारे मे बताया। साथ ही इसमें संलिप्त रहने पर होने वाली सजा से भी अवगत कराया और इस समस्या से सामना होने पर इससे कैसे निबटा जाए, इसकी जानकारी भी प्रदान की।

Topic Population

Rukhsar Bano
B.Com Final Year

Population refers to the total number of people living in a specific geographic Area such as a city , country ,or region . It can also refer to the total number of Individuals of a particular species living in a specific area In demographics, population is studied in terms of its size, structure, and distribution. The study of population is important for understanding social, economic, and environmental trends and patterns.

Some key concepts related to population include:

1. **Population size:** The total number of people living in a specific area.
2. **Population density:** The number of people living per unit area.
3. **Population growth rate:** The rate at which the population is increasing or decreasing.
4. **Population distribution:** The way in which the population is spread out across different geographic areas.
5. **Population structure:** The composition of the population in terms of age, sex, and other demographic characteristics.

Understanding population trends and patterns is important for a wide range of applications, including:

1. Urban planning and development
2. Economic development and policy-making
3. Environmental sustain ability and conservation
4. Public health and healthcare planning
5. Education and social services planning

JAZBAT

Rahul Dhiwar
B.Com 3rd Year

किसी का रास्ता बन रह हो तो क्या गलत है
किसी का कुछ दुख कम कर रह हो तो क्या गलत है
कुछ अपने हिस्से की खुशी बांटते हो तो क्या गलत है
किसी के दुख में अगर तुम साथ हो तो क्या गलत है

Topic Nature

Monika Sahu
B.Com Final Year

I am ahuman, I'm tired from cities, I am going to nature, to find peace.

Topic-Nature Long and Shady trees, and that cool Breeze, made me relax and calm, and found tree of palm.

The plain ground, with flora and fauna, and silence all over the area, made me feel peace.

The clouds were as light as air, And blew with the wind, And the sun set, Was the day's end.

निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ गतिविधियाँ

निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत सुश्री लीना सिंह क्र्ड्ड स्पर्श क्लिनिक मनोरोग विभाग जिला अस्पताल पंडरी रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा मानसिक स्वास्थ्य विषय को लेकर विभिन्न गतिविधियों नृत्य एवं बहुत से टास्क के माध्यम से छात्रों से जुड़कर गंभीर विषय जैसे चिंता तनाव अवसाद पैनिक डिसाइड आदि बिंदुओं को आसान शैली के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। मानसिक रोग व्यक्ति को व्यक्ति से अलग करने लगती है, इसे दूर करने के लिए सही गाइड लाइन की आवश्यकता होती है। अपने इस दिवसीय कार्यशाला में मैडम द्वारा विभिन्न एक्टीविटी कराई गई। एवं विधार्थियों द्वारा पूछे गए जिज्ञासा भरे प्रश्नों का जवाब दिया। इस कार्यशाला से सभी छात्र लाभान्वित हुए।

Topic Population

Deepak Sahani
B.Com Final Year

Here are some key statistics about the population:

Global Population

Total population: approximately 7.92 billion (as of January 2023)- **Population growth rate:** 1.09% per annum (2020-2021)- Population **Density:** 55 people per square kilometer (as of 2020)

India's Population

Total population: approximately 1.42 billion (as of 2023)- Population **Growth rate:** 0.98% per annum (2020-2021)

Population density: 460 people per square kilometer (as of 2020)

Demographic Trends

Urban population: 34% of total population (as of 2020)

Median age: 31.5 years (as of 2020)

Total fertility rate (TFR): 2.3 children per woman (as of 2020)

Projections

Population - The global population is projected to reach 9.7 billion by 2050 and 11.2 billion by 2100.- India's population is projected to surpass China's by 2027 and reach 1.66 billion by 2050

AGRICULTURE

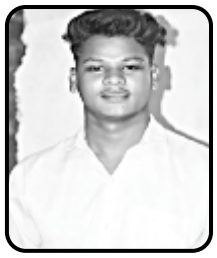

Karan Dhruw
B.Com Final Year

Agriculture is one of the major sectors of the Indian economy. It is present in the country for thousands of years. Over the years it has developed and the use of new technologies and equipment replaced almost all the traditional methods of farming. Besides, in India, there are still some small farmers that use the old traditional methods of agriculture because they lack the resources to use modern methods. Furthermore, this is the only sector that contributed to the growth of not only itself but also of the other sector of the country.

एन एस एस प्रोग्राम

विप्र कॉलेज मे 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर NSS द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया जिसमें एनएसएस के विद्यार्थियों द्वारा केंपस की सफाई और वृक्षारोपण किया गया।

बचपन जीवन का सबसे सरल और पवित्र समय

Tanvi Agnihotri
BCA 1st Year

बचपन एक ऐसा समय होता है, जब न कोई तनाव होता है, न कोई चिंता। यह समय मासूमियत और सरलता से भरा होता है। हमारा बचपन हमारे जीवन का वह हिस्सा है, जो सबसे खास और अनमोल है। उस समय हमें किसी चीज की गहरी समझ नहीं होती थी, लेकिन हर छोटी–बड़ी चीज़ में खुशी ढूंढ लेना हमारी आदत थी। सुबह उठते ही नाश्ता कर दोस्तों के साथ खेलने निकल जाना, और दिनभर खेल–कूद में खोए रहना, यही हमारी दिनचर्या थी। खाने–पीने का होश नहीं, बस दोस्तों के साथ मस्ती करना ही हमारा लक्ष्य था।

लड़कियां साड़ी पहनकर टीचर–टीचर और घर–घर जैसे खेल खेलती थीं, जबकि लड़के क्रिकेट, वॉलीबॉल और दूसरे खेलों में मशगूल रहते थे। यह मासूमियत और उत्साह से भरा समय आज भी हमारे दिलों में बसता है।

स्कूल के सुनहरे दिन

स्कूल का पहला दिन, जब हम रोते–रोते स्कूल जाते थे, जीवन का एक यादगार पल होता था। वहां हमें न केवल सीखने का अवसर मिलता था, बल्कि दोस्त भी मिलते थे, जो हमारे जीवन को और भी आनंदमय बना देते थे। स्कूल में नए–नए दोस्त बनाना, उनके साथ बैठकर टिफिन शेयर करना, खेलना और पढ़ाई करना, हमारे बचपन की सबसे खूबसूरत यादें हैं।

हर कार्यक्रम में उत्साह से भाग लेना और उसकी तैयारी कई दिनों पहले से शुरू कर देना, यह बचपन की खासियत थी। 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे खास मौकों पर अपने जूते साफ करना, यूनिफॉर्म प्रेस करना, और सुबह–सुबह तिरंगा फहराने जाना, फिर बूंदी के लड्डू पाकर खुशी से झूम उठना—ये सब वो पल हैं, जो कभी नहीं भूलते।

दादा–दादी के साथ बचपन –

बचपन में दादा–दादी का स्नेह और उनकी कहानियां हमारे जीवन का सबसे प्यारा हिस्सा थीं। दादा के साथ घूमने जाना, और दादी के साथ रात को उनकी कहानियां सुनते हुए सो जाना, ये पल हमारी जिंदगी में खास जगह रखते हैं। दादा–दादी के साथ बिताए गए वो पल हमें जीवनभर सुकून देते हैं। उनका लाड़–प्यार और उनके साथ बिताया समय, हमारे बचपन को और भी यादगार बना देता है।

त्योहारों की उमंग -

बचपन में हर त्योहार की अपनी अलग ही रौनक होती थी। त्योहार आने से पहले ही उत्साह बढ़ जाता था। नए कपड़े पहनना, मिठाइयां खाना, घर को सजाना, और मां के साथ मिलकर तरह–तरह के व्यंजन बनाना, ये सब त्योहार की तैयारी का हिस्सा था। हर त्योहार हमारे बचपन को और भी रंगीन बना देता था। त्योहारों के समय की वो खुशी, जब पूरे परिवार के साथ समय बिताते थे, आज भी यादों में ताजा है। बचपन में त्योहारों की तैयारियां और उनके दौरान का उल्लास, जीवन को जीने का सच्चा आनंद सिखाते थे।

नाना-नानी के घर की मस्ती -

बचपन की सबसे खूबसूरत यादों में नाना–नानी के घर का विशेष स्थान है। नाना–नानी का स्नेह, उनकी गोद में सिर रखकर कहानियां सुनना, और उनकी तरफ से दिए गए छोटे–छोटे उपहार हमें बेहद खुशी देते थे। वहां सारे भाई–बहनों के साथ मस्ती करना, कहीं बाहर घूमने जाना, और आते समय बड़ों से पैसे मिलने पर खुश हो जाना, यह सब बचपन को और

बचपन का समय भले ही लौटकर न आए, लेकिन उसकी यादें हमेशा हमारे साथ रहती हैं। आज जब हम जीवन की जिम्मेदारियों और तनाव में उलझे हुए हैं, तो बचपन की यादें हमें सुकून देती हैं। उस समय की मासूमियत, सच्चाई और खुशियां हमें सिखाती हैं कि जीवन को सरलता और सच्चाई के साथ जीना ही सच्ची खुशी है।

सुनो द्रौपदी शस्त्र उठालो अब गोविंद ना आएंगे

Nilesh Sahu
B.Ed 1st Sem.

सुनो द्रौपदी ! शस्त्र उठालो अब गोविंद ना आएंगे...
छोड़ो मेहंदी खड्ग संभालो
खुद ही अपना चीर बचा लो
द्यूत बिछाए बैठे शकुनि,
मस्तक सब बिक जाएंगे
सुनो द्रौपदी! शस्त्र उठालो अब गोविंद ना आएंगे

कब तक आस लगाओगी तुम, बिके हुए अखबारों से
कैसी रक्षा मांग रही हो दुःशासन दरबारों से
स्वयं जो लज्जाहीन पड़े हैं
वे क्या लाज बचाएंगे
सुनो द्रौपदी! शस्त्र उठालो अब गोविंद ना आएंगे

कल तक केवल अंधा राजा, अब गूंगा–बहरा भी है
होंठ सिल दिए हैं जनता के, कानों पर पहरा भी है
तुम ही कहो ये अंश्रु तुम्हारे,
किसको क्या समझाएंगे?
सुनो द्रौपदी! शस्त्र उठालो अब गोविंद ना आएंगे
चलो, फेंक दिया सो फेंक दिया
अब कसूर भी बता दो मेरा
तुम्हारा इजहार था
मेरा इंकार था
बस इतनी सी बात पर
फूंक दिया तुमने
चेहरा मेरा

वार्षिक स्नेह सम्मेलन (रंग तरंग)

Sanad Kumar Sahu
B.Com 2nd Year

Topic
Road Accident

आपके द्वारा देखी गई किसी दुर्घटना का वर्णन किया जा सकता है

दुर्घटनाओं के कारण -

दुर्घटनाएं कई कारकों के कारण हो सकती हैं, जिनमें

1) लापरवाही – यातायात नियमों का पालन न करने वाले चालक दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण हैं।
2) सड़क की स्थिति – संकरी सड़कें और गड्ढों वाली सड़कें दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं।
3) अधिक जनसंख्या – जैसे–जैसे जनसंख्या बढ़ती है, शहरों की सड़कें वाहनों से अधिक भीड़भाड़ वाली हो जाती हैं।

दुर्घटनाओं के प्रभाव -

दुर्घटनाओं के विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं

1) जीवन की हानि – हर साल सड़क दुर्घटनाओं में हजारों लोग मरते हैं।
2) प्रॉपर्टी को नुकसान – दुर्घटनाओं से संपत्ति को भी नुकसान हो सकता है।

दुर्घटनाओं की रोकथाम

1) दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आप यह कर सकते हैं-
2) बच्चों को छोटी उम्र से ही यातायात नियमों के बारे में सिखाएं।
3) सुनिश्चित करें कि माता–पिता वाहन चलाते समय अपने फोन का उपयोग न करके एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करें।
4) सुनिश्चित करें कि माता–पिता सीटबेल्ट और हेलमेट पहनें।
5) यह सुनिश्चित करें कि सरकार यातायात नियम तोड़ने वालों के लिए कड़े कानून पारित करे।

The Game Of Chess Teaches You The Four Rules Of Success

Sanad Kumar Sahu
B.Ed 1st Sem.

शतरंज का खेल सफलता के चार नियम समझाती है -

(1) **Cooperation** शतरंज जो हमें पहली बात सीखाती है कि साथ मिलकर काम कैसे करना है।

(2) **Some time we have to back off in life for progress** दूसरी बात जो हमें शतरंज सीखाती है कि जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए कभी कभी पीछे भी हटना पड़ता है।

(3) **Respect everyone** प्यादे **(pons)** जो छोटे लोग होते हैं उनकी जिंदगी में सबसे ज्यादा इज्जत करना चाहिए कोई भी इंसान छोटा नहीं होता सब काम आते हैं।

(4) **Some time we have to sacrifice our desires** चौथी बात जो हमें शतरंज से सीखनी चाहिए कि कभी कभी जिस चीज से हमे सबसे ज्यादा लगाव होता है जैसे रानी कभी कभी उसे भी त्याग **(sacrifice)** करना पड़ता है आगे बढ़ने के लिए।

AN ARTICLE ON KUMBH MELA

Devanshu Shendre
B.Sc. [CS] 2nd YEAR

Kumbh Mela, in Hinduism, religious festival that is celebrated four times over the course of 12 years, the site of the observance rotating between four pilgrimage places on four sacred rivers—at Haridwar on the Ganges River, at Ujjain on the Shipra, at Nashik on the Godavari, and at Prayag (modern Prayagraj) at the confluence of the Ganges, the Yamuna, and the mythical Sarasvati. Each site's celebration is based on a distinct set of astrological positions of the Sun, the Moon, and Jupiter, the holiest time occurring at the exact moment when these positions are fully occupied. The Kumbh Mela at Prayag, in particular, attracts millions of pilgrims. In addition, a Great Kumbh Mela festival is held every 144 years at Prayag, most recently in 2001. The Kumbh Mela lasts several weeks and is one of the largest festivals in the world, attracting more than 200 million people in 2019, including 50 million on the festival's most auspicious day.

E-Library or Digital Library

Pranita Sharma
Librarian

E-Library or Digital Library

In the contemporary era, students are no longer confined to traditional libraries when seeking information and knowledge. The advent of electronic libraries, or e-libraries, has revolutionized the accessibility of information, offering students a more efficient and convenient means of retrieving knowledge.

The significance of e-libraries for students cannot be emphasized enough. They provide students with the flexibility to access information anytime and from anywhere, requiring only a few clicks or taps. E-libraries house a vast array of resources that aid students in expanding their knowledge, honing their research skills, and enhancing their academic performance. Additionally, digital materials available in e-libraries may not be found in traditional libraries, granting students access to the latest research and information in their respective fields of study.

Furthermore, e-libraries contribute to cost savings for students by eliminating the need to purchase expensive textbooks and reference materials.

E-Library Or Digital Library Its Purpose

An e-library or digital library is a compilation of digital resources available to users via the internet. These resources encompass a variety of materials, including books, articles, journals, research papers, multimedia content, and more. The primary purpose of an e-library is to offer users, convenient and seamless access to an extensive range of information regardless of their location and the time of day.

E-libraries bring several advantages, including cost-effectiveness, as they eliminate the need for physical copies of materials, and space-saving, as digital content does not require physical storage space. Additionally, e-libraries facilitate swift and efficient information retrieval through advanced search functionalities. This digital format is particularly beneficial for students, researchers, and professionals who demand timely access to the latest information and resources relevant to their respective fields of study or work.

Know Your Library

Pranita Sharma
Librarian

Our Vipra College Library is automated with "KOHA" world Best Library Software. The Vipra College has a well maintained e-Library stocking more than 11803 books. There are a variety of books available for students & staff belonging to all streams (Physical Education, Commerce & Management, Education, Computer & Science of the college. 8 News Paper- 5 Paper in Hindi & 3 Paper in English Language. Updated 14 Print Journals & NCERT Journals available in online PDF in site, 8 Magazines are available for better knowledge of the Library users. The Library has reprography section where students can take photocopy and print out of reference books and Periodicals. We have a separate e-Library/Computer Section for the students where they can access online resources through Internet.

Library Report (2024-25)

1. Wifi सुविधा युक्त Central Library है ; Open Time- 8 AM. To 2:30 PM. प्रति कार्य दिवस पर
2. ग्रंथालय में सभी संकाय की पुस्तकें इस प्रकार से है Commerce(2464), Physical Education & Yoga (2107), Education (5297), Computer & Science(1966) and Reference Books (962) इस प्रकार के कुल **11803** पुस्तकें हैं।
3. Students के लिये Wi-fi सुविधा युक्त 20 Computer की व्यवस्था से युक्त पृथक E-Library है।
4. Library Collection की जानकारी के लिये OPAC (Online Public Access Catalogue) की सुविधा और इसके मध्यम से Free E-Resources की सुविधा भी उपलब्ध है।
5. Daily 08 News Paper-5 Hindi, 3 English, रोजगार एवं नियोजन (Competition Exam) सभी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु पर्याप्त Study Material उपलब्ध एवं प्रतियोगिता दर्पण/Competition Success मासिक पत्रिका भी उपलब्ध।
6. 19 Journals (National\International) 08 मासिक पत्रिकायें नियमित अन्तराल में ग्रंथालय में आती है।
7. Book Bank की सुविधा जिसमें प्रतिभावान ैजनकमदज को ग्रंथालय से अतिरिक्त ठववो प्राप्ति की सुविधा।
8. ग्रंथालय के नियमों का पालन करते हुये ग्रंथालय के अधिकतम उपयोग करने वाले 1 Student एवं 1 Staff को ग्रंथालय की ओर से 'Best Library User award of Month" सम्मान से हर माह सम्मानित किया जाता है।

Alumini Meet

वाणिज्य संकाय द्वारा शिक्षक दिवस एवं प्रवेशोत्सव समारोह का हुआ आयोजन

युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह के साथ वाणिज्य संकाय के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र के भविष्य हैं और इन विद्यार्थियों का निर्माण शिक्षक का दायित्व है। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का सम्मान विद्यार्थियों के मन में शिक्षक के प्रति श्रद्धा और विश्वास जागृत करता है ,वहीं शिक्षक भी सम्मानित होकर अपने दायित्व का अनुभव करता है । इस प्रकार शिक्षक दिवस विद्यार्थी और अध्यापकों को जोड़ने का कार्य करें ,तो सभी विद्यार्थियों का भविष्य उज्जवल है और तभी विद्यार्थी भविष्य के आदर्श नागरिक बनकर राष्ट्र के विकास में अपना सहयोग दे सकते हैं ।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन सर्वप्रथम शिक्षक थे और राष्ट्र निर्माण में शिक्षक के भूमिका बेहतर तरीके से समझते थे। इसलिए शिक्षकों के महत्व को रेखांकित करने के लिए शिक्षक दिवस मनाने की बात कही। बाद में उनके जन्मदिवस 5 सितंबर को ही संपूर्ण भारत शिक्षक दिवस मना कर शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करता है ।इसके बाद डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. दिव्या शर्मा, डॉ. कैलाश शर्मा ,डॉ. आराधना शुक्ला और मोहित श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए अपनी बात रखी कि टीचर और स्टूडेंट का संबंध क्लासरूम का होता है ,इसलिए सभी विद्यार्थी नियमित कक्षा में उपस्थित होकर एकाग्र और समर्पित भाव से अध्ययन ड्डअध्यापन कर अपने जीवन में सफल होने से ही सही अर्थों में शिक्षकों का सम्मान कर सकते हैं । इसके बाद सभी विद्यार्थियों ने शिक्षको का तिलक लगाकर और आरती उतार कर स्वागत एवं अभिनंदन किया । शिक्षक दिवस समारोह के उपरांत वाणिज्य संकाय के सीनियर विद्यार्थियों ने जूनियर विद्यार्थियों का स्वागत किया। इस अवसर पर पहले सीनियर विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया और जूनियर की मांग पर सॉन्ग डांस प्रस्तुत किया। इसके बाद जूनियर विद्यार्थियों ने भी अपना परिचय दिया और बेझिझक होकर सीनियरों की मांग पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिखाए । दो घंटे मस्ती और उत्साह के माहौल के बाद स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए सभी सीनियर ने जूनियर से अध्ययन अध्यापन में सहयोग की बात कही। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापकगण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे ।विद्यार्थियों को विभिन्न खिताब से सम्मानित भी किया गया।

विप्र कॉलेज इंटरकॉलेज पुरुष फुटबॉल में बना, चैंपियन

राज्य शासन के उच्चशिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित इंटरकॉलेज पुरुष फुटबॉल का आयोजन श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में 24 सितंबर से शुरू हुआ। इसमें 11 कॉलेज की टीम ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच आज विप्र कॉलेज और यू टी डी के बीच खेला गया। रोमांचक मैच में विप्र कॉलेज ने यू टी डी को 3–2 से पराजित किया। विप्र कॉलेज लगातार तीसरी बार राज्य शासन के उच्चशिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित इंटरकॉलेज पुरुष फुटबॉल में चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

एन एस एस दिवस में एन एस एस स्वयंसेवक द्वारा शपथ ग्रहण कार्यक्रम

Library

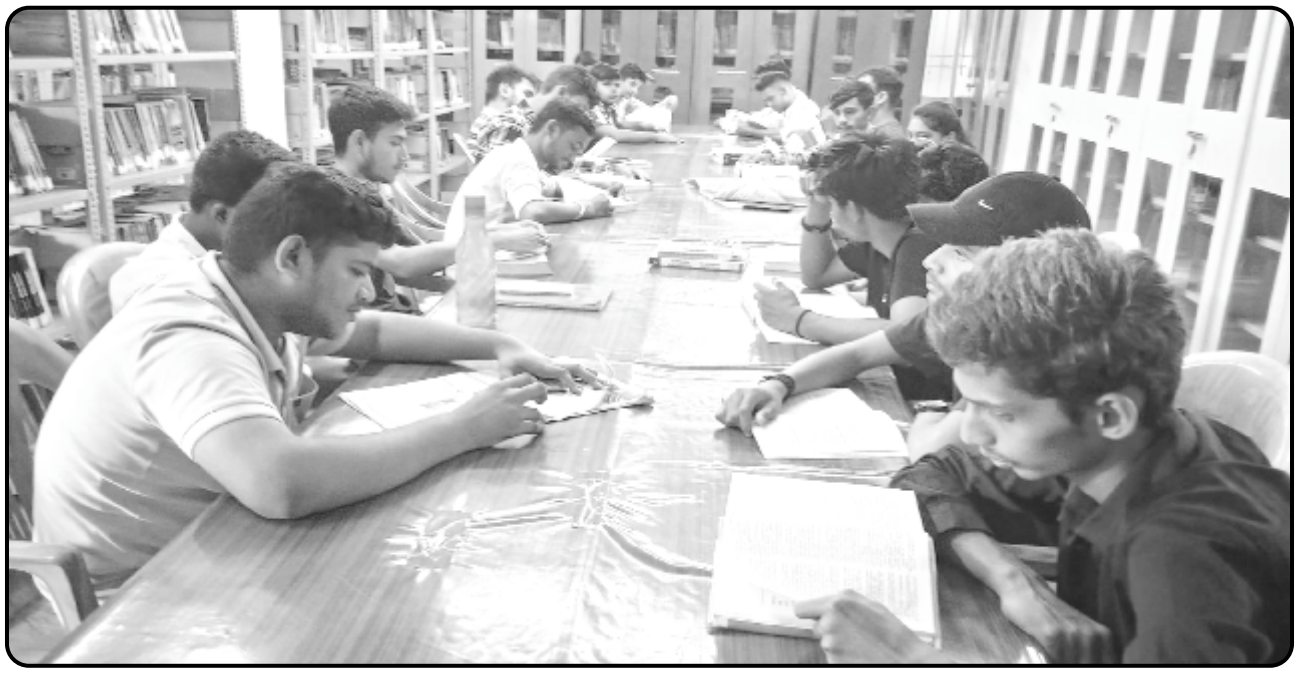

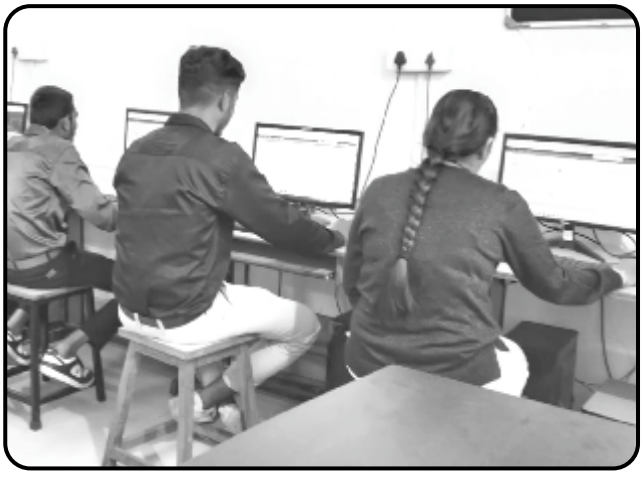

कंप्यूटर डिपार्टमेंट द्वारा प्रवेशोत्सव समारोह का हुआ आयोजन

विप्र कॉलेज में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत समारोह 21 सितंबर छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में कंप्यूटर एवम विज्ञान संकाय के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र के भविष्य हैं और इन विद्यार्थियों का निर्माण शिक्षक का दायित्व है। सभी विद्यार्थियों अपने शिक्षकों से उचित मार्ग दर्शन ले साथ ही साथ अपने सीनियर से भी सहयोग ले। विद्यार्थी भविष्य के आदर्श नागरिक बनकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकते हैं। आप सभी विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल हो। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने नई शिक्षा नीति के अनुसार विद्यार्थियों को नियमित कक्षा में उपस्थित होने को कहा जिसे आप सभी विद्यार्थी सेमेस्टर परीक्षा सरलता से पास कर सकते है। साथ ही उन्होंने कहा की कॉलेज में उपलब्ध सुविधाओं का उचित उपयोग कर अपना ज्ञान का विकास कर सकते है। जिससे अपने जीवन में सफल हो सके। इसके बाद सभी कंप्यूटर व विज्ञान संकाय के सीनियर विद्यार्थियों ने जूनियर विद्यार्थियों का स्वागत किया। इस अवसर पर पहले सीनियर विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया और जूनियर की मांग पर सॉन्ग डांस प्रस्तुत किया। इसके बाद जूनियर विद्यार्थियों ने भी अपना परिचय दिया और बेझिझक होकर सीनियरों की मांग पर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाए । जूनियर्स के परफॉर्मेंस के आधार पर बी सी ए प्रथम सेमेस्टर के अनुष्का झा को मिस फ्रेशर और हर्ष साहू को मिस्टर फ्रेशर चुना गया । बी एस सी प्रथम सेमेस्टर के किशन साहू को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर के सुमन बाघमार को मिस फ्रेशर और रूपानंद मिरी को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। दो घंटे मस्ती और उत्साह के माहौल के बाद स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए सभी सीनियर ने जूनियर से अध्ययन अध्यापन में सहयोग की बात कही। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापकगण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

हिंदी दिवस पर छात्रों द्वारा कविता पाठ

महाविद्यालय द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर इंटर क्लास कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं ने सहभागिता दिखाई देश भक्ति के जज्बे को अपनी कविता से बया किया गया तो वही नारी की व्यथा, वर्तमान समय में नारी को उसकी शक्ति से परिचित कराते हुए कविता प्रस्तुत की गई. तो वही युवा आंखों के सपनों को आसमान छूने की ख्वाहिश को व्यक्त किया गया. सभी प्राध्यापकों की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा मोटिवेशनल मूवी शो का आयोजन किया गया। फिल्म का शीर्षक - 12वीं फेल

22 सितंबर 2024 वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा बीबीए छात्रों का पीपीटी प्रेजेंटेशन सत्र आयोजित किया गया।

महाविद्यालय में विप्र हाट बाजार का आयोजन शिक्षा एवं वाणिज्य प्रबंध विभाग द्वारा किया गया

दीपावली के पावन अवसर पर विप्र हाट बाजार में रोचक गेम के साथ स्वादिष्ट व्यंजनों की खुशबू रायपुर. 26 अक्टूबर दीपावली के पावन अवसर पर महाविद्यालय में विप्र हाट बाजार का आयोजन शिक्षा एवं वाणिज्य प्रबंध विभाग द्वारा किया गया। विप्र हाट बाजार का उद्घाटन मुख्य अतिथि विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने किया। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया कि विप्र हाट बाजार में विद्यार्थियों द्वारा निर्मित आकर्षक एवं मनमोहक दियों के साथ दीपावली के अवसर पर सजावट की वस्तुएं का स्टाल लगाया गया, साथ ही छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के साथ भारत के विभिन्न प्रांतो के स्वादिष्ट और चटपटे व्यंजनों का आनंद विद्यार्थियों के साथ उनके पालक और विप्र समाज के सदस्यों ने लिया। फरा , चिला ,चौसला जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के साथ इडली वडा पाव ,जलेबी ,अप्पे जैसे व्यंजनों का मजा सभी ने लिया। आंखों में पट्टी बांधकर मटकी फोड़ना, बिंदी लगाना जैसे आकर्षक और मजेदार गेम मे जीतने से ज्यादा हारने का मजा आया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए मेहंदी, रंगोली, कलश सज्जा आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।मेहंदी में प्रथम स्थान अंजलि नायक बीकॉम द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। दूसरा स्थान पीजीडीसीए के रीना ओझा प्राप्त किया । रंगोली में प्रथम लता साहू बी.काम सेकंड ईयर और पीजीडीसीए के फुलेश्वरी साहू द्वितीय स्थान पर रही। कलश सज्जा प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम वर्ष की दो विद्यार्थियों सोनल ने प्रथम स्थान और डाली साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

विप्र कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए हुआ, रुबरु का आयोजन

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में शिक्षा विभाग के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह रूबरू 24 का आयोजन सीनियर विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने कहा कि एक उत्तम विद्यार्थी में ही उत्तम शिक्षक बनने की संभावनाएं होती है । आप देश के भावी भविष्य के भावी निर्माता हो। अगर आज आप अच्छे विद्यार्थी बनेंगे, अपने विषय में पारंगत होंगे, तभी आप अच्छे शिक्षक बन सकते हैं। इसलिए महाविद्यालय के संसाधनों का उपयोग करते हुए आपको अपना प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ पूर्ण करना चाहिए। इसके बाद शिक्षा विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. दिव्या शर्मा ने नॉन अटेंडिंग के भ्रम को दूर करने विद्यार्थियों को शपथ दिलाया कि अपना पाठ्यक्रम पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पूर्ण करेंगे एवं एक अच्छे शिक्षक बनने के सारे गुण अपने अंदर विकसित करेंगे। इसके बाद मंच विद्यार्थियों को सौंप दिया गया। सबसे पहले सीनियर विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया और अपने अनुभव से जूनियर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इसके बाद जूनियर विद्यार्थी ने भी अपना परिचय दिया और सीनियर विद्यार्थियों की मांग पर डांस और सॉन्ग प्रस्तुत किया ।विद्यार्थियों ने इस अवसर पर रोमांचक और मजेदार गेम का भी आनंद लिया। चार घंटे की यादगार समारोह के बाद विद्यार्थियों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेते हुए अध्ययन अध्यापन में एक दूसरे की सहायता करने की बात कही। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के समस्त विद्यार्थियों सहित प्राध्यापक ।

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं के साथ–साथ छात्रों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया। बीकॉम द्वितीय वर्ष के अंजलि नायक ने भविष्य के नारी के लिए अधिकार, समानता, सुरक्षा और शक्ति को आवश्यक बताते हुए आकर्षक रंगोली बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया । बीकॉम द्वितीय वर्ष के ही लता साहू ने महिलाओं की समस्याओं को उजागर करने वाली रंगोली बनाकर द्वितीय स्थान हासिल किया। प्राचार्य डॉ .मेघेश तिवारी ने विद्यार्थियों के बनाए रंगोली की सराहना करते हुए कहा कि रंगोली अपने भावों को अभिव्यक्त करने की कला है। सुमन पांडे एवं दीपशिखा शर्मा रंगोली प्रतियोगिता के निर्णायक थे। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापको सहित बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों ने रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

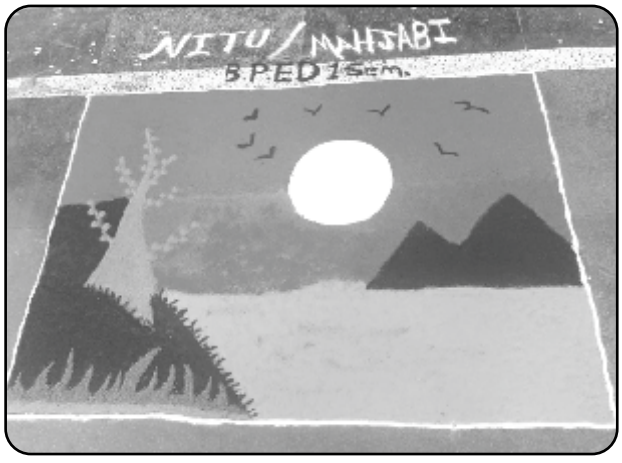

महाविद्यालय में शिक्षा विभाग द्वारा POSTER MAKING COMPETITION का आयोजन

इस वर्ष हमारे महाविद्यालय में शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 23/11/24 कोशिक्षा विभाग द्वारा **POSTER MAKING COMPETITION** का आयोजन किया गया, जिसका **TOPIC (IMPACT OF SOCIAL MEDIA)** था, जिसमें सभी संकाय के विद्यार्थियों ने बढ़ – चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें प्रथम स्थान सौरभ साहू (बी.एड. प्रथम सेम.) ने प्राप्त किया, द्वितीया स्थान पर साहिल राय (बी. कॉम–प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया एवं तृतीय स्थान पर कमलेश साहू (बी. काम–तृतीय वर्ष) ने प्राप्त किया।

इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज छठवीं बार चैंपियन बनने से चुकी

विप्र कॉलेज छठवीं बार चैंपियन बनने से चुकी, हरिशंकर कॉलेज बनी विजेता

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

गरुयुर, 1 दिसंबर। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शंकराचार्य कॉलेज द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज छठवीं बार चैंपियन बनने से चुकी।

शंकराचार्य कॉलेज मैदान में खेले गए फाइनल मैच में पहले बैटिंग करते हुए विप्र कॉलेज ने 20 ओवर में 112 रन का लक्ष्य दिया, जिसे हरिशंकर कॉलेज ने 7 विकेट के नुकसान पर प्राप्त कर जीत दर्ज करते हुए विजेता बनी और विप्र कॉलेज लगातार छठी बार उपविजेता बनने से चुकी।

शंकराचार्य कॉलेज द्वारा आयोजित इंटरकॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह विप्र कॉलेज के प्राचार्य एवं कार्य परिषद के सदस्य डॉ. मेघेश तिवारी के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. मनोज शर्मा प्राचार्य शंकराचार्य कॉलेज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अतिथियों ने विजेता, उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। समारोह का संचालन डॉ. कैलाश शर्मा ने किया। इस अवसर पर विजय शर्मा, प्यारेलाल साहू, डॉ. राजेश जंघेल, राजेश तिवारी, शबा कुरैशी सहित आयोजक महाविद्यालय के प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज छठवीं बार चैंपियन बनने से चुकी, हरिशंकर कॉलेज विजेता उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीस द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज छठवीं बार चैंपियन बनने से चुकी। श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीस मैदान में खेले गए फाइनल मैच में पहले बैटिंग करते हुए विप्र कॉलेज ने 20 ओवर में 113 रन का लक्ष्य दिया, जिसे हरिशंकर कॉलेज ने 7 विकेट के नुकसान पर प्राप्त कर जीत दर्ज करते हुए विजेता बनी और विप्र कॉलेज लगातार छठी बार उपविजेता बनने से चुकी। श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीस द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगिता में 18 कॉलेज शामिल थे। 22 नवंबर से आयोजित प्रतियोगिता का फाइनल मैच विप्र महाविधालय एंव हरिंशकर महाविद्यालय के बीच खेला गया जिसमें विप्र महाविधालय में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया अनुराग ने 28 बॉल में 34 रन बनाए हरिशंकर कालेज के शुभम् के ०3 विकेट लिए विप्र कॉलेज के 113 रन बनाकर 114 रन का टारगेट दिया जिसमे हरिशंकर कॉलेज ने ०7 विकेट खोकर खिताब पर कब्जा किया। हरिशंकर कॉलेज के क्रितेश ने 11 बॉल में 22 रन बनाए।शंकराचार्य कॉलेज द्वारा आयोजित इंटरकॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह विप्र कॉलेज के प्राचार्य एवं कार्य परिषद के सदस्य डॉ. मेघेश तिवारी के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. मनोज शर्मा प्राचार्य शंकराचार्य कॉलेज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अतिथियों ने विजेता, उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। समारोह का संचालन डॉ. कैलाश शर्मा ने किया। इस अवसर पर विजय शर्मा, प्यारेलाल साहू, डॉ. राजेश जंघेल, राजेश तिवारी, शबा कुरैशी सहित आयोजक महाविद्यालय के प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विप्र कॉलेज में कंप्यूटर विभाग द्वारा समूह नृत्य और एकल नृत्य का आयोजन

विप्र कॉलेज में कंप्यूटर विभाग द्वारा समूह नृत्य और एकल नृत्य का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान हिमांशी एंड ग्रुप फिजिकल एजुकेशन दूसरा स्थान कशिश सेंड ग्रुप बीकॉम ने प्राप्त किया इसी कड़ी एकल नृत्य कंपटीशन में प्रथम स्थान कशिश बीकॉम फर्स्ट ईयर दितीय स्थान अंजलि BCA सेकंड ईयर और तीसरा स्थान लोकेश फिजिकल एजुकेशन प्राप्त किया

विप्र महाविद्यालय में कंप्यूटर डिपार्टमेंट के द्वारा 18 अक्टूबर को पीपीटी प्रेजेंटेशन कार्यक्रम आयोजित

विप्र महाविद्यालय में कंप्यूटर डिपार्टमेंट के द्वारा 18 अक्टूबर को पीपीटी प्रेजेंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 32 छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया छात्र–छात्राओं ने नई तकनीकी AI, ऑपरेटिंग सिस्टम अलग–अलग प्रकार के, इंटरनेट के द्वारा हो रहे क्राइम, सिक्योरिटी ऑफ़ इंटरनेट एंड ग्लोबल वर्ल्ड क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे विषयों पर अपने विचार प्रकट किया. कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के नाम इस तरह हैं 1 खुशी ठाकुर ,2 यश कुमार, 3 सुमीत कुमार

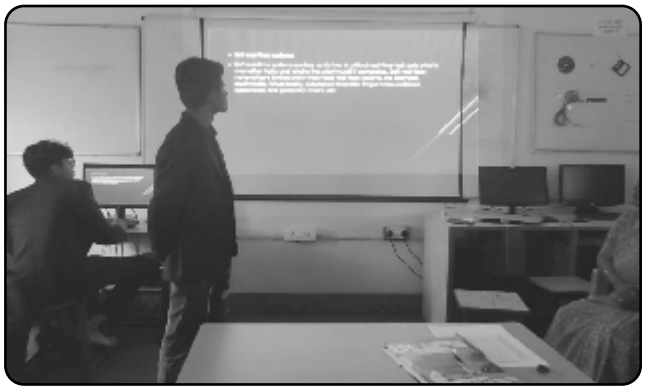

मोहल्ले में किताब कुटिया : विप्र कॉलेज के शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों द्वारा

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने डूमर तालाब से संलग्न बस्तीयों में जनमानस में पढ़ने की अभिरुचि के उद्देश्य से किताब कुटिया का संचालन किया । किताब कुटिया में बच्चों के साथ बड़े बुजुर्ग और महिलाओं ने भी पुस्तक पढ़ने का आनंद लिया। किताब कुटिया में बच्चों, युवा, बुजुर्गों के साथ महिलाओं के लिए भी किताबें हैं । बच्चों ने कॉमिक्स बुक जैसे लोटपोट, चंपक, नंदन ,बाल भूमि सहित महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद ,सुभाष चंद्र बोस जैसे महापुरुषों की जीवनी की किताबें पढ़ना पसंद किया । बुजुर्गों ने अखंड ज्योति ,रामचरितमानस जैसे आध्यात्मिक पत्रिकाएं पढ़ने में तल्लीन रहे। महिलाओं ने गृह सभा, सहेली के साथ प्रेरक प्रसंग और आत्मा विकास पत्रिकाओं में रुचि दिखाई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने किताबों से दोस्ती करने का संदेश देते हुए कहा कि किताबें पढ़ना मनुष्य होने की निशानी है। किताबें पढ़ने से दुनिया की जानकारी के साथ–साथ अनुभव प्राप्त होता है।विप्र महाविद्यालय सदैव सामाजिक सरोकार के अंतर्गत वर्षों से नवंबर माह में नवाचार किताब कुटिया का संचालन करती रही है। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापको सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

डॉ. विपिन दुबे ने विप्र कॉलेज में जल संरक्षण और वर्षा जल संग्रहण की जानकारी दी

डॉ. विपिन दुबे ने विप्र कॉलेज में जल संरक्षण और वर्षा जल संग्रहण की दी,अंचल के प्रसिद्ध भूजल वैज्ञानिक रेनवाटर हार्वेस्टिंग एवं जल संरक्षण विशेषज्ञ डॉ. विपिन दुबे ने विप्र कॉलेज में स्टॉफ कॉउन्सिल के सदस्यों को जल संरक्षण और वर्षा जल संग्रहण (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) की जानकारी दी। डॉ.विपिन दुबे ने अपने सम्बोधन में न केवल वर्षा जल संचयन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया, बल्कि इससे होने वाले लाभों की भी जानकारी दी । जल के महत्व को रेखांकित करते हुए डॉ विपिन दुबे ने बताया कि हम वर्षा जल का संग्रहण कर रोजमर्रा की जरूरतों के लिए उपयोग कर सकते हैं और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने पीने योग्य पानी को बचाने के व्यावहारिक उपायों से अवगत किया।, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संकट से बचा जा सके। डॉ. विपिन दुबे द्वारा जल संरक्षण और वर्षा जल संग्रहण (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) की जानकारी विप्र कॉलेज के स्टॉफ कॉउन्सिल के सदस्यों के लिए अनुभव बेहद सुखद और प्रेरणादायक रहा, जिसमें सभी ने जागरूकता और अपनी जिम्मेदारी समझने का भाव प्रकट किया।

कॉमर्स विभाग द्वारा गीत और समूह गीत प्रतियोगिता का आयोजन

कॉमर्स विभाग द्वारा गीत और समूह गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एकल गीत में प्रथम स्थान नवीन कृष्णा B.Ed, द्वितीय स्थान शशांक B.com 1st ईयर तृतीय स्थान प्रज्ञा त्रिवेदी BCA द्वितीय ने प्राप्त किया। समूह गान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रियांशु और ग्रुप द्वितीय स्थान अमन ग्रुप B.ed और तृतीय स्थान आशीष ग्रुप B.com 3rd ईयर ने प्राप्त किया

राज्य स्तरीय बास्केटबॉल हेतु रायपुर सेक्टर की टीम घोषित

उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में विप्र कला,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा आठ एवं नौ अक्टूबर को अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में खेल कौशल के आधार पर रायपुर सेक्टर टीम का गठन किया गया है । उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया कि रायपुर सेक्टर की टीम कल 16 अक्टूबर से रायगढ़ में आयोजित इंटर सेक्टर राज्य स्तरीय बास्केटबाल प्रतियोगिता में शामिल होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आज रायगढ़ रवाना होगी। रायपुर सेक्टर की टीम इस प्रकार है– मानसून बेग ,डोमेन्द वर्मा (दोनों सेंट विसेंट पैलोटी कॉलेज), पंकज धोतिया (विवेकानंद महाविद्यालय), देवेंद्र बंजारे ,दिनेश बाग ,आदित्य क्षेत्रपाल (तीनों दुर्गा महाविद्यालय), दीपेश ध्रुव (विप्र कॉलेज),अनिकेत , हर्ष भारती (दोनों महन्त कॉलेज), धीरेंद्र वर्मा (विवेकानंद महाविद्यालय), वीरेंद्र (महंत महाविद्यालय) सत्येंद्र (सेंट विसेन्ट पैलोटी कॉलेज)। तथा ज्ञानेंद्र भाई, विप्र महाविद्यालय टीम के कोच व मैनेजर होंगे।

पोस्टर निर्माण कार्यक्रम एन एस एस स्वयंसेवकों द्वारा पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत थीम के तहत एन.एस.एस.

गांधी जयंती के अवसर पर एनएसएस सेल द्वारा पोस्टर निर्माण कंपटीशन का आयोजन किया गया जिसकी थीम स्वच्छता और सद्भावना थी जिसमें कॉलेज के ३० स्टूडेंट ने पार्ट लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित की गई

कौशल विकास का नियोजन एवं संगठन पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन

विप्र महाविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा बी.एड. प्रशिक्षार्थीयों हेतु नई तालीम विषय के अंतर्गत दिनांक 18/11/2024 को कौशल विकास का नियोजन एवं संगठन पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ अरुण कुमार दुबे, प्राचार्य कोलंबिया कॉलेज थे। जिसमे उन्होंने कौशल विकास की विभिन्न विधियों पर प्रकाश डालते हुए व्यक्ति के सर्वांगिन विकास की बात कही।

इंटरकॉलेज वॉलीबॉल विप्र कॉलेज बना विजेता

इंटरकॉलेज वॉलीबॉल विप्र कॉलेज बना विजेता , महंत कॉलेज को सीधे सेट में हराकर जीता ख़िताब रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में महंत कॉलेज द्वारा आयोजित दो दिवसीय इंटरकॉलेज वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विप्र महाविद्यालय ने महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय को सीधे सेट में हराकर विजेता का खिताब जीत लिया वही महंत कॉलेज टीम को उपविजेता घोषित किया गया ।

कंप्यूटर साइंस के छात्रों द्वारा शिक्षक दिवस पर प्राध्यापकों का सम्मान

विप्र कॉलेज में 5 सितंबर को कंप्यूटर साइंस के बच्चों द्वारा टीचर्स डे का सेलिब्रेशन किया गया जिसमें बच्चों द्वारा कई तरह के गेम्स टीचर्स के लिए कराए गए सभी टीचर्स का सम्मान किया गया। शिक्षकों ने बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और धन्यवाद दिया।

सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा में डॉ. मेघेश तिवारी हुए, सम्मानित

सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा में दंडी श्रीमज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज के प्रथम चातुर्मास व्रत अनुष्ठान के अवसर पर विप्र कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी का शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्य मनोनीत होने पर सम्मानित किया गया। डॉ .मेघेश तिवारी ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि सम्मान के रूप में दंडी स्वामी श्रीमज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज जी के आशीर्वाद से शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए नवीन उत्साह और ऊर्जा प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अंचल में विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभूतियों को भी सम्मानित किया ।

B.Ed अलुमनी प्रज्ञा अग्रवाल बहनो ने ग्रंथालय मे बुक बैंक के लिए Education एवम Science की 34 पुस्तके डोनेट की।

अनिता भंडारी, विदिशा चौरसिया, प्रज्ञा अग्रवाल एवम निष्ठा बघेल

बी एड द्वारा शिक्षक दिवस समारोह

ई बुलेटिन विमोचन

विप्र कॉलेज में राज्य स्तरीय टी.एल.एम. प्रतियोगिता में दिखे, रोचक और ज्ञानवर्धक वर्किंग मॉडल

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला , वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा 16 वीं राज्य स्तरीय टीचिंग लर्निंग मटेरियल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों ने बढ़ – चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने–अपने वर्किंग मॉडल को प्रदर्शित किया । जिसके अंतर्गत पर्यावरणीय समस्याओं से संबंधित तथाभविष्य में होने वाली सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु तरह–तरह के वर्किंग मॉडल प्रस्तुत किए गए। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के साथ–साथ विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक गण भी उपस्थित थे। इस अवसर पर विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों में बौद्धिक स्तर का विकास करना है। जिससे विद्यार्थि स्वयं को नवाचार से जोड़ सकें एवं अध्ययन अध्यापन के साथ दक्षता और कुशलता हासिल कर सके । शिक्षा विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ .दिव्या शर्मा द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम ों का महत्व बताते हुए बच्चों का उत्साह वर्धन किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में डॉ मधु अग्रवाल (पं. रवि. शुक्ल वि. वि.), डॉ मोनिका चौबे (क्रूति स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेज) एवं साधना शर्मा ग्रेसियस कॉलेज ऑफ एजुकेशन)उपस्थित थी। 16 वीं राज्य स्तरीय टीचिंग लर्निंग मटेरियल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृति स्कूल आफ मैनेजमेंट के यशराज देवांगन ने प्राप्त किया ।दूसरा स्थान पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की छात्रा प्रियंका ठाकुर ने तथा स्पेक्ट्रम कॉलेज के दर्शन साहू तीसरे स्थान पर रहे ।प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया । इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालय के प्राध्यापक गण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। विप्र पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने भी मॉडल का अवलोकन कर रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त किया।

विप्र कॉलेज में कंप्यूटर डे' पर बेस्ट ऑफ ई-वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन

विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में कंप्यूटर विभाग द्वारा कंप्यूटर डे के अवसर पर बेस्ट इन ई–वेस्ट मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें डिपार्टमेंट ऑफ़ कंप्यूटर साइंस के छात्र–छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रॉनिक स्केलेटन इलेक्ट्रॉनिक स्पाइडर और कीबोर्ड की सहायता से पेन होल्डर, फोटो फ्रेम, सीडी के द्वारा फ्लावर पॉट, रोबोट, **e – Tree,** मिरर होल्डर जैसी बहुत सारी चीज बनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने कहा कि विद्यार्थियों के इस प्रकार की कलात्मक अभिरुचि उन्हें नई सोच और नई दिशा देगी। मगर विद्यार्थी याद रखें कि यह शुरुआत है। उनकी सोच गहरी और विकसित होनी चाहिए, जिससे नवाचार और नव प्रवर्तन को बढ़ावा मिले। प्रथम स्थान पर पीजीडीसीए से प्रीति, जूही और ग्रुप द्वितीय स्थान पर तन्वी और यश और ग्रुप, तृतीय स्थान पर सज्जन और हर्ष रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित मॉडल का अवलोकन सभी प्राध्यापक गण एवं विद्यार्थियों ने किया।

''विद्यार्थी के लिए ई- कटेंट का उपयोगी बनाना शिक्षक की जिम्मेदारी'' प्रो. एस.के. पांडे
ई कटेंट डेवलपमेंट विषय पर विप्र कॉलेज में तीन दिवसीय नेशनल वर्कशॉप

5 दिसंबर. विप्र कला,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय एवं विवेकानंद महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय द्वारा ई कंटेंट डेवलपमेंट विद एक्सेसिबल प्लेटफॉर्म इन वेरियस फैकल्टी ऑफ़ स्टडीज विषय पर आयोजित तीन दिवसीय नेशनल वर्कशॉप का उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस.के. पांडेय (पूर्व कुलपति, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो. एस.के. पांडेय ने कहा कि ई कंटेंट को विद्यार्थी के लिए उपयोगी बनाना शिक्षक का जवाबदारी है ।हम डिजिटल इंडिया के सही भागीदारी तभी होंगे ,जब आवश्यकता के अनुसार ई कंटेंट का उपयोग करना सीख जाएंगे ।यह आज के वक्त की मांग है। विकसित भारत डिजिटल इंडिया से ही संभव है और डिजिटल इंडिया ई कंटेंट के सही उपयोगिता पर निर्भर है। विज्ञान और तकनीक ने बहुत कुछ दिया है ,आज इंटरनेट का जमाना है। पर यह उपयोगी होने के साथ–साथ आज की युवा पीढ़ी के लिए खतरनाक भी है। इसलिए इसके गलत उपयोग से बचते हुए सही उपयोग के लिए विद्यार्थी को गाईड करना प्राध्यापक की जवाबदारी है ।अत ई कंटेंट डेवलपमेंट विषय पर वर्कशॉप का आयोजन वर्तमान समय में आवश्यकता के अनुरूप है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया कि ई कंटेंट डेवलपमेंट से अध्यापकों को अपडेट करने के लिए और वर्तमान समय में शोध के लिए उपयोगी यह कार्यशाला निश्चित ही अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल होगा। इस अवसर पर विवेकानंद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज मिश्रा ने कहा कि विचारों का आदान–प्रदान होना चाहिए ।पहले पढ़ने के लिए मटेरियल नहीं था ।भाषा की भी समस्या थी। पर आज डिजिटल युग में हर विषय में ढेर सारे मटेरियल उपलब्ध है ।इसमें विद्यार्थी के लिए कौन सा उपयोगी है और कितना विश्वसनीय हैं, यह ई कंटेंट के विषय में बहुत बड़ी समस्या है ।अतः इस समस्या के समाधान के लिए विषय विशेषज्ञों की मदद से जानकारी प्राप्त होगा तो निश्चित ही प्राध्यापकों और शोधार्थी को लाभ होगा। इसके पूर्व तीन दिवसीय कार्यशाला के कार्यक्रम का विवरण विप्र कॉलेज के सहायक प्राध्यापक एवं कार्यशाला के संयोजक डॉ. आराधना शुक्ला ने प्रस्तुत किया। उद्घाटन समारोह के अंत में आभार प्रदर्शन विवेकानंद कॉलेज के प्रबंध संकाय विभागाध्यक्ष डॉ .अशोक कुमार झा ने किया। उद्घाटन समारोह के बाद प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता विषय विशेषज्ञ डॉ. विनोद कुमार पटले (एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ स्टडीज कंप्यूटर साइंस पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर) ने लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए ई– कंटेंट के लिए विभिन्न प्लेटफार्म को उपयोग करने की विधि से अवगत कराया ।साथ ही उन्होंने ई कंटेंट एनालिसिस, डिलीवर प्रोसेस और इफेक्टिव बनाने के मेथड से अवगत कराया द्यदूसरे तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ .महेश एन. जीवानी(प्रोफेसर एवं हेड डेवलपमेंट ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी गुजरात)ने अपने व्याख्यान में ए. आई .के प्रयोग द्वारा इफेक्टिव पीपीटी एवं वीडियो बनाने के मेथड से अवगत कराया। वर्कशॉप का संचालन विप्र कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. निधि श्री शुक्ला ने किया ।अंत में प्रथम दिवस के तकनीकी सत्र का सारांश विप्र कॉलेज वाणिज्य संख्या के विभागाध्यक्ष डॉ .विवेक कुमार शर्मा ने प्रस्तुत किया। वर्कशॉप में विप्र एवं विवेकानंद महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक सहित पंजीकृत शोधार्थी शामिल हुए। दूसरे दिवस 6 दिसंबर शुक्रवार को कार्यशाला के द्वितीय दिवस प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. आशीष दुबे (सहायक प्राध्यापक विवेकानंद महाविद्यालय रायपुर) का व्याख्यान एंव दूसरे तकनीकी सत्र में डॉ. विनोद कुमार पटले (एसोसिएट प्रोफेसर स्कूल ऑफ़ स्टडीज कंप्यूटर साइंस पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) का व्याख्यान हुआ । तीसरे दिवस 7दिसंबर समारोह मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश कांत पांडे (पूर्व कुलसचिव, पंडित रविशंकर शुक्ल महाविद्यालय रायपुर एवं प्राचार्य ,शासकीय महाविद्यालय नवागढ़) एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रीति के .सुरेश (संचालक, मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर एवं प्रोफेसर ,इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर)की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रो.गिरीश कांत पांडेय ने कहा कि आज की पीढ़ी डिजिटल वर्ल्ड में रहती है। उसे शिक्षित करने के लिए विश्वसनीय ,प्रमाणित और गुणवत्तापूर्ण ई कंटेंट आवश्यक हो गया है। आज के विद्यार्थी को क्लास रूम में बांधकर नहीं रखा जा सकता। सिर्फ उसे क्लासरूम में सीखाकर ई कंटेंट के माध्यम से अपनी जानकारी को विस्तार देने की दिशा में ले जाना प्राध्यापक के लिए उचित है। इसके लिए आज हर शिक्षक को ई कंटेंट डेवलप करना आना चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को यह भी बताना होगा की कौन से विषय का कौन सा चैप्टर के लिए ई कंटेंट कहां–कहां से मिल सकता है। क्योंकि आज की पीढ़ी जिस माध्यम से सीखना चाहता है, उसे इस माध्यम से सीखना होगा और वह माध्यम आज के समय में ऑनलाइन क्लास या ई कंटेंट ही हो सकता है। इस अवसर पर प्रो. प्रीति के. सुरेश ने कहा कि वर्तमान समय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए ई कंटेंट विकसित करना आवश्यक हो गया है ।छात्रों तक पहुंचाने के लिए ई कंटेंट को विकसित करने का हम जितना भी प्रैक्टिस करते जाएंगे, उतना यह सीखने और सीखने की प्रक्रिया में सहयोगी होता जाएगा। इसके पूर्व विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कोरोना काल ने हम सबको सिखाया है कि ऑनलाइन क्लास मजबूरी में ही सही पर विद्यार्थियों को शिक्षित करने के लिए जरूरी है और ऑनलाइन क्लास के बाद विद्यार्थियों तक पाठ्य सामग्री पहुंचाने के लिए ई कंटेंट महत्वपूर्ण बन गया है।

यह वर्कशॉप महत्वपूर्ण और समसामयिक बन गया है क्योंकि डिजिटल इंडिया के बिना विकसित भारत संभव नहीं है। इस अवसर पर विवेकानंद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज मिश्रा ने तीन दिवसीय कार्यशाला का रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस कार्यशाला से ई कंटेंट विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी मिली हैं।अतः यह कार्यशाला तभी सफल माना जाएगा, जब हम सभी प्राध्यापक गुणवत्तापूर्ण ई कंटेंट डेवलप करके विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराए। इसके पूर्व प्रथम तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. ममता ब्रह्मभट्ट (प्रोफेसर एंड हेड ,डिपार्टमेंट आफ बिजनेस इंटेलिजेंस बीके स्कूल आफ प्रोफेशनल एंड मैनेजमेंट स्टडीज गुजरात यूनिवर्सिटी) ने मूक ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान किया ।दूसरे तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ प्रो. प्रीति के. सुरेश (संचालक एमएमटीटी सेंटर एवं प्रोफेसर इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी ,पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) ने भौतिक सम्पदा संरक्षण के लिए कॉपीराइट के नियमों और कॉपीराइट की पद्धति की जानकारी दी। वर्कशॉप का संचालन विप्र कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. निधि श्री शुक्ला ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन वर्कशॉप के संयोजक डॉ. आराधना शुक्ला ने किया। इस अवसर पर दोनों कॉलेज के समस्त प्राध्यापक सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

विप्र कॉलेज में प्रकृति परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन

विप्र महाविद्यालय में आयुर्वेदिक महाविद्यालय द्वारा विशेष प्रकृति परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनके शरीर की प्रकृति और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय रायपुर के डॉ आशीष शर्मा, डॉ हरीश साहू, डॉ योगराज प्रजापति, डॉ निकिता मिंज, डॉ नम्रता भगत, डॉ योगिता शर्मा, डॉ धर्मेंद्र बिंझवार, डॉ दीपिका दास, डॉ आनंदिता पांडे, डॉ चंपा साहू की उपस्थिति में लगभग 600 विद्यार्थियों का परीक्षण किया गया। उन्होंने आयुर्वेदिक चिकित्सा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शरीर में वात, कफ और पित्त जैसे दोष किस प्रकार संतुलन बिगाड़ सकते हैं और इनके असंतुलन से विभिन्न बीमारियाँ हो सकती हैं। डॉ आशीष शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संविधान दिवस पर लॉन्च किए गए प्रकृति परीक्षण ऐप के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस ऐप के माध्यम से व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत जानकारी भरकर अपने शरीर की प्रकृति को जान सकता है। साथ ही, यह ऐप मौसमी बीमारियों से बचाव, उचित आहार, जीवनशैली और स्वास्थ्य संबंधी सुझाव समय–समय पर संदेश के माध्यम से प्रदान करता है। विद्यार्थियों को आयुर्वेद और प्रकृति परीक्षण से संबंधित उपयोगी जानकारी भी दी गई। उन्हें यह भी बताया गया कि विभिन्न ऋतुओं में भोजन और दिनचर्या कैसी होनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सुझावों को समझा और प्रकृति परीक्षण ऐप को उपयोग करने का संकल्प लिया।

विप्र महाविद्यालय में बीकॉम, बीएससी एवं बीसीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियो के लिए प्री सेमेस्टर परीक्षा का आयोजन

विप्र महाविद्यालय में बीकॉम, बीएससी एवं बीसीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियो के लिए प्री सेमेस्टर परीक्षा एवं अन्य सभी कक्षाओं के लिए अर्ध्दवार्षिक परीक्षा का आयोजन किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा आयोजन

निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत सुश्री लीना सिंह पी एस डब्लू स्पर्श क्लिनिक मनोरोग विभाग जिला अस्पताल पंडरी रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा मानसिक स्वास्थ्य विषय को लेकर विभिन्न गतिविधियों नृत्य एवं बहुत से टास्क के माध्यम से छात्रों से जुड़कर गंभीर विषय जैसे चिंता तनाव अवसाद पैनिक डिसआर्डर आदि बिंदुओं को आसान शैली के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। मानसिक रोग व्यक्ति को व्यक्ति से अलग करने लगती है, इसे दूर करने के लिए सही गाइड लाइन की आवश्यकता होती है। अपने एक दिवसीय कार्यशाला में मैडम द्वारा विभिन्न एक्टीविटी कराईं गई एवं विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए जिज्ञासा भरे प्रश्नों का जवाब दिया। इस कार्यशाला से सभी छात्राएँ लाभान्वित हुए।

वीर बाल दिवस का आयोजन

24 दिसंबर 2024 को वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया जिसमें गुरु गोविंद सिंह के बेटों की शहादत को याद किया गया । किस तरह अपने देश की रक्षा के लिए उन्होंने अपना बलिदान दे दिया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा कुछ कविताएं और गुरु गोविंद सिंह के जीवन पर अपनी अभिव्यक्तियां प्रस्तुत की।

कॉमर्स विभाग द्वारा पूर्व छात्र मिलन सम्मेलन का आयोजन

28 साल पुराने छात्र हुए, शामिल महाविद्यालय में एलुमिनी एसोसिएशन द्वारा वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के पूर्व विद्यार्थियों का सम्मेलन का आयोजन किया गया। कॉलेज के 28 साल पुराने छात्र सी.ए. आकाश शर्मा प्रमुख रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विप्र महाविद्यालय से शिक्षित होकर आज हम सब जीवन के अच्छे मुकाम पर हैं। अब हम सब का दायित्व है, कि जिस महाविद्यालय से हमारा जीवन का निर्माण हुआ। उस महाविद्यालय के विकास में अब हम अपना योगदान दें। वर्तमान विद्यार्थियों को मार्गदर्शन और सहयोग देकर कैरियर निर्माण के लिए प्रेरित करें ।इससे पहले प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि भूतपूर्व छात्रों का मिलन समारोह प्रतिवर्ष होता रहा है। परंतु इस वर्ष विभागीय पूर्व छात्रों का मिलन समारोह में आज वाणिज्य और प्रबंध संकाय के विद्यार्थी उपस्थित हैं।

रंग तरंग वार्षिक उत्सव का आयोजन,"भारतीय संस्कृति और परंपरा की झलक "

वार्षिक उत्सव रंग तरंग में विभिन्न प्रांतो के परंपरा और संस्कृति की झलक विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम में देखने को मिला। 29 वें रंगतरंग वार्षिक समारोह के उदघाटन अवसर पर प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने वार्षिक उत्सव को विद्यार्थियों का कार्यक्रम बताते हुए कहा कि क्लास रूम में पढ़ाई के बाद वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों के लिए यादगार दिन होता है। पदमा ओझा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।
इसके बाद विद्यार्थियों के वार्षिक उत्सव रंग तरंग में सर्वप्रथम शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों द्वारा गणेश वंदना की प्रस्तुति की गई। फिर छत्तीसगढ़ी सॉन्ग संगी जहुरिया पर विद्यार्थियों के डांस से दर्शन भी झूमने लगे । वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों ने हनुमान चालीसा प्रस्तुत किया। योगा डांस के माध्यम से विद्यार्थियों ने योग के आश्चर्यजनक आसन प्रस्तुत किया। मोर संगवारी छत्तीसगढ़ी नृत्य ने सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। इसके उपरांत पंजाबी, राजस्थानी ,पहाड़ी, राउत नाचा ,संबलपुरी डांस, दक्षिण भारतीय शास्त्रीय नृत्य ने दर्शकों को बांधे रखा ।लगभग तीन घंटे तक शिक्षा, शारीरिक शिक्षा , कंप्यूटर और वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के रंगारंग प्रस्तुति ने खूब वाह वाही लूटी और और दर्शकों को अपने साथ झूमने के लिए मजबूर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आराधना शुक्ला ,डॉ. दीपशिखा शर्मा ,डॉ. निधि श्री शुक्ला, डॉ. कंचन मिश्रा ,अपूर्वा शर्मा और डॉ. प्रियंका तिवारी के दिशा निर्देश में विद्यार्थियों ने आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत कर वार्षिक उत्सव रंग तरंग को यादगार बनाया। इस अवसर पर विप्र शिक्षण समिति के संचालक उमाकांत शर्मा, प्रमोद शर्मा ,आनंद पाण्डेय, डॉ. कैलाश शर्मा, डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. दिव्या शर्मा मोहित श्रीवास्तव सहित समस्त प्राध्यापक और विद्यार्थी अपने पालकों के साथ उपस्थित रहकर वार्षिक उत्सव का आनंद लिया।

कॉलेज कौंसिल की बैठक

27 फरवरी 2025 को प्राचार्य महोदय की अध्यक्षता मे कॉलेज कौंसिल की सातवी बैठक आहूत की गई जिसमे वार्षिक परीक्षा, सेमेस्टर की नियमित कक्षा संचालन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई साथ ही प्राचार्य ने प्राध्यापक मोहित श्रीवास्तव, राजेश तिवारी को जन्म दिवस पर बधाई प्रेषित की।

विश्व कैंसर दिवस

4 फरवरी जिसे हम विश्व कैंसर दिवस के रूप में मनाते हैं उस दिन विप्र महाविद्यालय में कंप्यूटर और साइंस डिपार्टमेंट के द्वारा छात्र–छात्राओं के बीच कैंसर जैसी बढ़ती बीमारी की जागरूकता के लिए सामूहिक रंगोली बनाकर प्रोग्राम किया गया जिसमें कंप्यूटर विभाग के फाइनल ईयर और सेकंड ईयर के छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया।

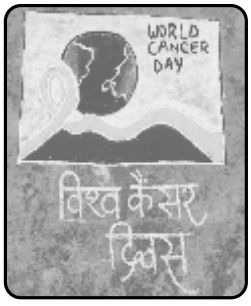

ICT सेल द्वारा नेशनल साइंस डे मनाया गया

नेशनल साइंस डे के उपलक्ष में ICT सेल के तत्वाधान में दिनांक 8 फरवरी 2025 दिन शुक्रवार को विज्ञान मॉडल एवं पोस्टर कांपटीशन कराया गया इसमें प्राचार्य महोदय की उपस्थिति में छात्रों ने अपने द्वारा बनाये गए मॉडल व पोस्टर का प्रदर्शन किया जिसमें पोस्टर कांपटीशन में डीसी ए की छात्रा भारती और मॉडल कांपटीशन में बीएससी सेमेस्टर के किशन साहू रोहित बेहरा प्रफुल्ल में प्रथम स्थान प्राप्त किया इस प्रकार साइंस डे में कांपटीशन के द्वारा विज्ञान के प्रति जागरुकता का संदेश दिया गया था ICT सेल इंचार्ज डॉ रक्षा बड़गैनिया एवं सदस्यगण मोहित श्रीवास्तव, डॉ कंचन मिश्रा, डॉ दीपशिखा शर्मा एवं डॉ सीमा अग्रवाल उपस्थित रहे ।

मां सरस्वती की पूजा करके बसंत पंचमी का उत्सव मनाया गया।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एन सी सी छात्रों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

कॉमर्स विभाग द्वारा विदाई समारोह का आयोजन

विप्रा कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में वाणिज्य एवं प्रबन्धन विभाग ने भव्य विदाई पार्टी (farewell party) का आयोजन किया। कार्यक्रम मुख्य रूप से 27 फरवरी 2025 को इंडोर हॉल में एम. कॉम फाइनल बीबीए 6 और बी. कॉम अंतिम वर्ष के छात्रों के निवर्तमान बैच के लिए आयोजित किया गया था। माननीय प्रचार्य महिदय डॉ मेघेश तिवारी जी, उपप्राचार्य डॉ विवेक शर्मा जी, वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ आराधना शुक्ल, एजुकेशन विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्य शर्मा, कंप्यूटर साइंस श्री मोहित श्रीवास्तव सहित सभी प्रध्यापक गण उपस्थित रहे। विदाई पार्टी में प्रचार्य महोदय ने छात्रों को आशीर्वचन देते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए मार्गदर्शन किया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों, रैंप वॉक, गेम्स, गिफ्ट्स एक्सचेंज आदि में भाग लिया, जिसमें अंतिम वर्ष एम. कॉम श्री मयंक शर्मा, बीबीए–VI के श्री वैभव सिंह ठाकुर, और बीकॉम III वर्ष के श्री करण ग्रुप को मिस्टर फेयरवेल और बी. कॉम अंतिम वर्ष की सुश्री कोमल साहू और सुश्री अनीता भंडारी को सुश्री फेयरवेल के रूप में चुना गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ निधि श्री शुक्ला तथा उनके मार्गदर्शन में जूनियर छात्रों ने किया । डॉ.सीमा अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ विदाई पार्टी का सफलतापूर्वक समापन हुआ, जिसने कॉलेज की ओर से सभी संबंधित प्रमुखों, सभी अधीनस्थों, संकायों और कर्मचारियों को उनके निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कार्यक्रमों के लिए छात्रों के स्वयंसेवक को नहीं भूला।

जूनियर छात्र - छात्राओं ने अपने सीनियर के लिए फेयरवेल का आयोजन किया

विप्र महाविद्यालय मे जूनियर छात्र छात्राओं ने अपने सीनियर फाइनल ईयर के छात्र–छात्राओं को फेयरवेल दिया और उनके साथ बिताए लम्हों का साझा किया सरस्वती पूजा और गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के गेम्स और नृत्य भी शामिल थे फाइनल ईयर के छात्र–छात्राओं ने कैटवॉक किया और खट्टे मीठे लम्हों को शेयर किया बेस्ट स्टूडेंट संभावना मिस्टर फेयरवेल कुशाल और मिस फेयरवेल पूजा बीसीए फाइनल ईयर को दिया गया बीएससी फाइनल से पुरुषोत्तम को मिस्टर हैंडसम का ख़िताब दिया गया और फिर सभी ने मिलकर डीजे फ्लोर में डांस किया कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टीचर्स ने भी अपनी सहभागिता दी .यह कार्यक्रम डिपार्मेंट आफ कंप्यूटर और साइंस के द्वारा आयोजित किया गया जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

Freshers Party Computer & Science

महाविद्यालय 30 वा स्थापना दिवस

VIPRA ARTS COMMERCE & PHYSICAL EDUCATION COLLEGE

Sports Corner

NSS Work

Anand Mela

Poster Making Competition

'B' GRADE ACCREDITED BY NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDIATION COUNCIL (NAAC) (19th July 2023 to 18th June 2028)
Recognised by Higher Education, UGC and NCTE and Permanently Afiliated to
Pt. Ravi Shankar Shukla University, Raipur (C.G.)

• COMMERCE • MANAGEMENT • SCIENCE • COMPUTER • EDUCATION • PHYSICAL EDUCATION • YOGA

Aamapara, G.E. Road, Raipur (C.G.) Mo.: 7869190055
Well Developed Premises: Near Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)
E-mail: vipracollge1996@gmail.com, Visit us: www.vipracollege.org